विश्वकर्मा फर्नीचर
मो. 98261-32636,90987-54366,98274-96911

तरुण छत्तीसगढ़

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com
कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026
वर्ष 36 अंक 245 | कोरबा, शनिवार, दिनांक 07 जून 2025 डाक 08 जून 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग, नई दिल्ली में वाटर एटीएम का उद्घाटन किया, जबकि दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा भी मौजूद थे...

देश-विदेश
10 साल बाद कनाडा जाएंगे पीएम मोदी, मार्क कार्नी ने भेजा खास न्योता

फीचर पेज
प्रकृति, इंजीनियरिंग और पर्यटन का अद्भुत संगम है झारखंड का मैथन डैम

जो लोगों के मन में है, वही होगा..., सामना में फ्रंट पेज पर ठाकरे ब्रदर्स शिवसेना यूबीटी और एमएनएस में गठबंधन की सुगबुगाहट तेज

नईदिल्ली, 07 जून [एजेंसी]।

महाराष्ट्र की सियासी हल्कों में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की संभावित गठबंधन और फिर से साथ आने की अटकलों को फिर से हवा मिला है। शिवसेना (उद्धव गुट) के मुखपत्र सामना अखबार में दोनों नेताओं की पुरानी तस्वीर पहले पन्ने पर छपी है। इसके साथ ही मराठी में हेडलाइन लिखा है, जिसका हिंदी अनुवाद है, महाराष्ट्र के मन में जो है, वही होगा, चर्चा शुरू हो गई है... बेताब हैं। पिछले कुछ दिनों से चर्चा चल रही है कि नगर निगम चुनाव से पहले दोनों भाई फिर साथ आएंगे। बीते दिन उद्धव ठाकरे ने मनसे के साथ शिवसेना के गठबंधन की अटकलों पर कहा,

महाराष्ट्र की जनता के मन में जो होगा, वही होगा। मैंने आपको एक ही वाक्य में बता दिया। हम इस संबंध में सभी बारीकियों की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं आपको सिर्फ संदेश नहीं, बल्कि लाइव समाचार दूंगा। मेरे शिवसैनिकों के मन में कोई भ्रम नहीं है।

इसलिए, संदेश देने की बजाय, हम जो समाचार देना चाहते हैं, वह देंगे। अप्रैल में मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने फिल्म निर्देशक महेश मांजरेकर के यूट्यूब चैनल को दिए एक इंटरव्यू में इस बारे में इशारा किया था। उन्होंने तब कहा था, हमारे विवाद और झगड़े बहुत छोटे हैं और किसी भी बड़े मुद्दे के लिए छोटे हैं, महाराष्ट्र बहुत बड़ा है। इस महाराष्ट्र के अस्तित्व के लिए, मराठी लोगों के अस्तित्व के लिए, ये झगड़े और विवाद बहुत मामूली हैं। मुझे नहीं लगता कि इसके कारण एक साथ आना और साथ रहना बहुत मुश्किल है। लेकिन यह इच्छाशक्ति का मामला है। राज ठाकरे के इस बयान और हाल ही में चल रही अटकलों के बाद उद्धव ठाकरे के बयान को देखकर कयासों का सिलसिला और तेज हो गया है।

मीठी नदी घोटाला: एक्टर डिनो मोरिया को ईडी का समन, अगले हफ्ते होगी पूछताछ

मुंबई। मीठी नदी सफाई घोटाला को लेकर अभिनेता डिनो मोरिया की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। 14 घंटे की पूछताछ के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में डिनो को समन भेजा है। उन्हें अगले हफ्ते पूछताछ के लिए बुलाया गया है। करोड़ों रुपयों के गबन से संबंधित मामले में फंसे डिनो मोरिया के बांद्रा स्थित आवास पर शुक्रवार को ईडी ने छापेमारी की थी, जो करीब 14 घंटे तक चली।

दिल्ली 26/11 मामले में आरोपी तहव्वुर राणा की न्यायिक हिरासत बढ़ी

नईदिल्ली, 07 जून [एजेंसी]।

दिल्ली की एक अदालत ने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा की न्यायिक हिरासत 9 जुलाई तक बढ़ा दी। पटियाला हाउस कोर्ट के विशेष न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए राणा को पेश किए जाने के बाद यह आदेश पारित किया। सुनवाई के दौरान राणा के वकील ने अपने मुवक्किल के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई। दलीलों पर गौर करते हुए न्यायाधीश ने तिहाड़ जेल अधिकारियों को 9 जून तक राणा की स्वास्थ्य स्थिति पर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। 26/11 के मुख्य साजिशकर्ता डेविड कोलमैन हेडली के करीबी सहयोगी राणा, जिसे दाऊद गिलानी के नाम से भी जाना जाता है, को 4 अप्रैल को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रत्यर्पण के खिलाफ उसकी समीक्षा याचिका खारिज करने के बाद भारत प्रत्यर्पित किया गया था। उसके आने के बाद, अदालत ने पिछले महीने राणा को न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। 26 नवंबर, 2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमलों में दस पाकिस्तानी आतंकवादियों ने भारत की वित्तीय राजधानी में समन्वित हमला किया था। समुद्री मार्ग से मुंबई में प्रवेश करने के बाद, उन्होंने एक रेलवे स्टेशन, दो लक्जरी होटल और एक यहूदी केंद्र को निशाना बनाया।

साईं बाबा मंदिर से लाखों की चोरी, हंगामा

शिरडी। शिरडी के साईं बाबा मंदिर में चढ़ावे की गिनती के दौरान लाखों रुपए की चोरी का मामला सामने आया है। इस चोरी में मंदिर ट्रस्ट के 30 साल से स्थायी कर्मचारी बालासाहेब नारायण गोंडकर आरोपी हैं। मंदिर में सप्ताह में दो बार ट्रस्ट के कई कर्मचारियों की मौजूदगी में दान की रकम गिनी जाती है। गिनती के समय सभी कर्मचारियों की एंट्री-एग्जिट चेकिंग की जाती है और काउंटिंग हॉल में सीसीटीवी कैमरे भी लगे होते हैं। इसके बावजूद गोंडकर ने अप्रैल महीने में तीन बार 500 रुपए के नोटों की गड्डियां चुरा लीं।

बस्ती में घुसे भालू को खदेड़ा गया, लोगों ने राहत की सांस ली

डोंगरगढ़। मां बम्लेश्वरी मंदिर की पहाड़ी पर दिखा भालू रिहायशी इलाके में दाखिल हो गया। भालू भीम नगर इलाके में विचरण करते पहुंच गया। इसके बाद एक पेड़ के सहारे वार्ड की बाउंड्री के दीवार पर भी चढ़ गया। जिस पर लोगों की नजर पड़ते ही उन्होंने भालू को खदेड़ना शुरू कर दिया। लोगों के शोर और भीड़ को देखकर भालू बाउंड्री की दीवार से उतरकर दोबारा पहाड़ी की ओर भाग गया। इसका विडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। इसके पहले भालू को मंदिर के आसपास की पहाड़ी में घूमते देखा गया था। जिसके बाद वन अमले की टीम मौके पर पहुंची।

राज्य भर में मॉक ड्रिल, कोरोना को मात देने सभी अस्पताल तैयार

रायपुर, 07 जून [एजेंसी]।

छत्तीसगढ़ में वर्तमान में कोविड-19 के जो भी मामले सामने आए हैं, उनमें अधिकतर मरीजों में सामान्य इंफ्लूएंजा जैसे लक्षण ही देखे जा रहे हैं, जैसे हल्का बुखार, सर्दी-खांसी या गले में खराश। विशेषज्ञों के अनुसार, इन लक्षणों के चलते अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता नहीं पड़ी है और मरीजों की स्थिति स्थिर बनी हुई है। अब तक राज्य में कुल 1183 लोगों की जांच की गई है, जिनमें से 50 व्यक्तियों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि सभी संक्रमितों में सिर्फ सामान्य सर्दी-खांसी जैसे हल्के लक्षण पाए गए हैं और केवल गंभीर लक्षण वाले व्यक्तियों को चिकित्सालय में उपचार हेतु संदर्भित करने के लिए निर्देश दिये गये है।

सतर्कता के साथ संपर्क जांच और निगरानी का कार्य जारी आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमण की रोकथाम के लिए आवश्यक सभी कदम उठाए हैं। जिन व्यक्तियों में संक्रमण की पुष्टि हुई है, उनके संपर्क में आए लोगों की पहचान कर जांच की जा रही है। साथ ही, उनके निवास क्षेत्रों में स्वास्थ्य दल भेजकर सर्वेक्षण किया गया है। यदि किसी में लक्षण पाए जा रहे हैं तो उसकी जांच कराई जा रही है, और गंभीर लक्षण होने की स्थिति में उपचार के लिए अस्पताल भेजा जा रहा है। 5 जून 2025 को पूरे राज्य के अस्पतालों में कोविड-19 की रोकथाम एवं उपचार की तैयारियों को परखने के लिए मॉक ड्रिल आयोजित की गई।

इस दौरान सभी जिलों की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई और संक्रमण से निपटने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की तरफ से निर्देश दिए गए हैं कि राज्य के सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों, सिविल सर्जनों और मेडिकल कॉलेज से जुड़े अस्पताल कोविड-19 के संदिग्ध मामलों की निगरानी करें, आवश्यक जांच कराएं, और समय पर सैंपल परीक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

चंदौली में बकरीद की नमाज के दौरान कार का शीशा तोड़ने से हंगामा, सड़क जाम

चंदौली, 07 जून [एजेंसी]।

जिला मुख्यालय के सकलडीहा रोड स्थित ईदगाह के समीप शनिवार को बकरीद की नमाज पढ़ने गए नमाजियों की लग्जरी कार का अराजतत्वों ने शीशा तोड़ दिया। नमाज पढ़कर वापस लौटने के बाद कार का टूटा हुआ शीशा देख लोग भड़क गए और सड़क को जाम कर दिया। लोग अराजतत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करने लगे। हालांकि सूचना के बाद कोतवाल संजय सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और काफी मक्कत के बाद लोगों को समझा बुझाकर शांत कराया। वहीं नमाजियों की सुरक्षा के लिए तैनात पुलिस कर्मियों के मौजूदगी में कार का शीशा तोड़ने के मामले को लेकर लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हैं। सदर कोतवाली के बिछिया गांव के निवासी हबीब खान अपनी कार से बकरीद की नमाज अदा करने के लिए सकलडीहा रोड स्थित ईदगाह गए हुए थे। उनके साथ कई अन्य नामाजी भी शामिल थे। लेकिन ईदगाह से नमाज पढ़ने के बाद लोग अपनी कार के पास लौटे तो अर्टिगा कार का शीशा टूटा हुआ था। घटना की जानकारी मिलते ही अन्य नमाजी भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद लोगों ने अगल-बगल में तैनात पुलिस कर्मियों और अन्य लोगों से घटना के बारें में जानकारी लिया। लेकिन किसी ने संतोषजनक उत्तर नहीं दिया। जिसके बाद लोगों का गुस्सा भड़क उठा और चंदौली से सकलडीहा जाने वाली सड़क को जाम करके अराजतत्वों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे।

नक्सलियों के 2 टॉप कमांडर ढेर, बीजापुर में मुठभेड़ जारी

बीजापुर, 07 जून [एजेंसी]।

जवानों और नक्सलियों के बीच तीसरे दिन भी मुठभेड़ जारी है। इस मुठभेड़ में दो और नक्सलियों को जवानों ने मार गिराया है। नक्सलियों को ढेर करने के बाद जवानों ने ऑटोमेटिक हथियार बरामद किए हैं। इतना ही नहीं तीन दिन से हो रही मुठभेड़ में जवानों ने 2 टॉप कमांडर समेत 4 नक्सलियों को मौत के घाट उतार दिया है। बीजापुर के नेशनल पार्क में तीन दिनों से लगातार ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इस ऑपरेशन के तहत जवानों और नक्सलियों के बीच लगातार मुठभेड़ हो रही है। जवानों ने अब तक चार नक्सलियों को ढेर किया है, जिसमे 2 टॉप नक्सल कमांडर है।

वहीं नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन अब भी जारी है। जवानों और नक्सलियों के बीच रात भर से मुठभेड़ हो रही है। वहीं गुरूवार को बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में नक्सली नेता और तेलंगाना राज्य समिति के सदस्य भास्कर को मार गिराया। भास्कर पर कुल 45 लाख रुपए का इनाम था। अधिकारियों ने बताया कि जिले के इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में नक्सलियों के 'तेलंगाना स्टेट कमेटी' की विशेष कमेटी के सदस्य भास्कर उर्फ मइलारापु अडेल्लू (45) को मार गिराया।

कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के सचिव और कोषाध्यक्ष का इस्तीफा, बंगलूरू भगदड़ मामले की नैतिक जिम्मेदारी ली

बंगलूरू। बंगलूरू में हुई भगदड़ के बाद विवादों में घिरे कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ से बड़ी खबर आ रही है। जानकारी के मुताबिक, ए. शंकर और ईएस जयराम ने केएससीए के सचिव और कोषाध्यक्ष के रूप में अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने आरसीबी के आईपीएल ट्रॉफी समारोह के दौरान मची भगदड़ की नैतिक जिम्मेदारी ली है। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई थी। एक संयुक्त बयान में शंकर और जयराम ने कहा कि उन्होंने गुरुवार रात को केएससीए अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। बयान में कहा गया, पिछले दो दिनों में हुई अप्रत्याशित और दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं की वजह से हम यह बताना चाहते हैं कि हमने कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के सचिव और कोषाध्यक्ष के रूप में अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, हमारी भूमिका बहुत सीमित थी। इससे पहले केएससीए अध्यक्ष रघुराम भट, सचिव शंकर और कोषाध्यक्ष जयराम ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी कि गेट प्रबंधन और भीड़ प्रबंधन संघ की जिम्मेदारी नहीं थी। उन्होंने विधान सौधा में आरसीबी आईपीएल समारोह आयोजित करने की अनुमति मांगी थी। विधान सौध में सम्मान समारोह बिना किसी बड़ी गड़बड़ी के संपन्न हो गया, लेकिन एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर अनहोनी हो गई, जहां आरसीबी के सोशल मीडिया आमंत्रण के बाद लाखों लोग एकत्र हुए, जिसे बाद में हटा दिया गया।

पीएम मोदी से बोधघाट परियोजना और रिवर इंटरलिंकिंग पर भी हुई चर्चा : सीएम साय

रायपुर, 07 जून [एजेंसी]।

सीएम विष्णुदेव साय आज दिल्ली दौरे से वापस लौट आए हैं। सीएम साय के दिल्ली दौरे पर रवाना होते ही मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलें तेज हो गई थी। वहीं, पीएम मोदी से मुलाकात के बाद दिल्ली से लौटते ही सीएम साय ने कैबिनेट विस्तार की अटकलों पर विराम लगाते हुए स्पष्ट कर दिया कि कब होगा साय कैबिनेट का विस्तार। साय कैबिनेट में फिलहाल दो पद खाली हैं। दरअसल सीएम साय ने दिल्ली से लौटने के बाद एयरपोर्ट पर मीडिया से बात की।

इस दौरान सीएम साय ने बताया कि दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान प्रदेश की स्थिति को लेकर चर्चा हुई। छत्तीसगढ़ की बदली हुई तस्वीर को साझा करने का अवसर मिला यह सौभाग्य की बात है। इस दौरान बोध घाट परियोजना, रिवर इंटरलिंकिंग पर भी चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि बोध घाट परियोजना के बनने से 125 मेगावर्ट बिजली पैदा होगी। इन दोनों परियोजनाओं से कई हेक्टेयर में सिंचाई संभव होगी। सीएम साय ने आगे बताया कि हमारे जवान मजबूती के साथ नक्सलवाद से लड़ रहे हैं इस पर पीएम मोदी को अवगत कराया। पीएम मोदी के हमें नक्सलवाद पर लड़ाई को लेकर बधाई दी है। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर हमने भी बधाई दी है। सीएम साय ने फिलहाल इस बात का खुलासा नहीं किया है कि मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर पीएम मोदी से क्या चर्चा हुई है। उन्होंने कैबिनेट विस्तार को लेकर कहा कि समय आने पर वो भी हो जाएगा।

मेले में शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग, 24 दुकानें राख

सहारनपुर। सहारनपुर-दिल्ली रोड पर आयोजित व्यापार मेले में शनिवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई, जिसने पूरे मेले को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने से 24 दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गईं। शुरुआती जांच में आग लगने का

कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। घटना के दौरान दुकानदारों ने भागकर अपनी जान बचाई, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक दुकानों में रखा सारा सामान जलकर राख हो चुका था। स्थानीय पुलिस और प्रशासन मामले की जांच में जुट गया है। दुकानदारों का कहना है कि हादसे में उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। उनका लाखों का सामान जलकर राख हो गया है। प्रशासन ने प्रभावित दुकानदारों को सहायता का आश्वासन दिया है।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010
-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

ऑपरेशन सिंदूर को एक महीना पूरा, आज भी जख्म भूल नहीं पा रहा पाकिस्तान, अब बॉर्डर पर आईएएफ फिर करेगा युद्धाभ्यास

नईदिल्ली, 07 जून [एजेंसी]।

आज से ठीक एक महीने पहले भारतीय सेना ने पाकिस्तान के लिए कयामत की रात ला दी थी, जब भारत ने पाकिस्तान और पीओके में स्थित आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया था। भारत द्वारा दिए गए इस गहरे घाव की मार पाकिस्तान अभी तक झेल रहा है। इस बीच राजस्थान में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के दक्षिणी क्षेत्र में 7 जून और 8 जून को भारतीय वायुसेना बड़े स्तर पर अभ्यास करने वाली है, जिसे लेकर इंडियन एअरफोर्स ने एअरमेन को नोटिस जारी किया है।

यह अभ्यास भारतीय वायुसेना नियमित तैयारियों का एक हिस्सा है, जो सीमा क्षेत्र के निकट हवाई क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा। हृह्रञ्जरू के अनुसार, 7 जून को दोपहर 3.30 बजे शुरू होगा और अगले दिन 8 जून को रात 8.30 बजे समाप्त होगा। इस दौरान अभ्यास में कोई बाधा उत्पन्न न हो इसके लिए अभ्यास क्षेत्र के ऊपर हवाई क्षेत्र को प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।

आईएएफ के एक अधिकारी ने पुष्टि करते हुए बताया कि युद्ध अभ्यास के दौरान प्लेटफॉर्मों और अन्य सहायक प्रणालियों के अलावा राफेल, मिराज 2000 और सुखोई-30 जैसे फ्रंटलाइन फाइटर जेट सहित कई उन्नत डिफेंस सिस्टम शामिल होंगे।ऑपरेशन सिंदूर को एक महीने हो चुका है और पाकिस्तान अभी तक इसके सदमे से बाहर नहीं आया है। 6 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज से ठीक एक महीने पहले, 6 मई की रात पाकिस्तान के आतंकियों पर कयामत बरसी थी। उन्होंने कहा, अब ऑपरेशन सिंदूर का नाम सुनते ही पाकिस्तान को अपनी शर्मनाक हार याद आएगी। यह ऑपरेशन भारत की सैन्य ताकत और आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस का प्रतीक है।

गर्ल्स-ग्रुप के साथ हाथापाई करने वाले लड़के गिरफ्तार, एसएसपी का बयान

रायपुर। गर्ल्स-ग्रुप के साथ हाथापाई करने वाले लड़के गिरफ्तार कर लिए गए है, एसएसपी ने बताया, बुधवार और गुरुवार की दरमियानी रात करीब एक बजे घाट के पास कुछ लड़कियां अपना जन्मदिन मना रही थीं। वे लाउडस्पीकर पर नाच रही थीं और गाने बजा रही थीं। शोर सुनकर आसपास के लोगों ने विरोध किया। इस पर आसपास के कुछ लड़के मौके पर आ गए और उन्हें रोकने लगे। इस पर विवाद हो गया और दोनों पक्षों में हाथापाई हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने महिला शिकायतकर्ताओं द्वारा बताए गए बयानों के आधार पर विस्तृत जानकारी जुटाई और रिपोर्ट दर्ज की।

शासन ने की अभिनव पहल,पहाड़ी कोरवा बच्चों का भविष्य हुआ उज्ज्वल

नियमित शिक्षको की नियुक्ति के साथ ही दूर हुई समस्या

अतिशेष शिक्षकों के समायोजन से विद्यार्थियों को मिलेगी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

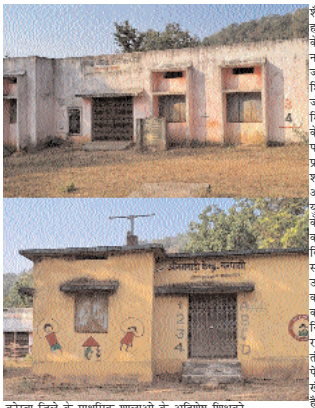

कोरबा। शहर से लगभग 80 किलोमीटर दूर यह गाँव है बरपानी...इस गाँव में जाने के लिए रास्ते हैं..छोटे बच्चों के लिए आंगनबाड़ी है... स्कूल में पढ़ने के लिए ठीक ठाक भवन भी है...और यहाँ पढ़ाई करने वाले ज्यादातर बच्चे पहाड़ी कोरवा जनजाति के ही है। शासन ने यहाँ रहने वाले कोरवा जनजाति के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए स्कूल ही नहीं खोले, भवन भी बनाया..लेकिन नियमित शिक्षक नहीं होने का खामियाजा यहाँ पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को वर्षो से उठाना पड़ता रहा...किसी तरह कुछ शिक्षकों को अटैचमेंट कर अध्यापन का कार्य तो कराया जाता रहा..लेकिन यह व्यवस्था भी पहाड़ी कोरवाओं विद्यार्थियों के हित की नहीं थीं...आखिरकार मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शासन ने अतिशेष शिक्षकों को ऐसे शिक्षकविहीन और एकलशिक्षकीय विद्यालयों में नियुक्ति करने की नीति बनाई तो वनांचल में मौजूद इस पहाड़ी कोरवा बाहुल्य गाँव के स्कूल बरपानी के भी भाग खुल गए। इस विद्यालय में अब दो अतिशेष शिक्षक पदस्थ हुए हैं, जो नियमित शिक्षक होंगे। यहाँ प्रधानपाठक के रूप में कमल सिंह कँवर और सहायक शिक्षक के रूप में अक्तिदास मानिकपुरी की नियुक्ति हुई है।

कोरबा ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत देवपहरी के आश्रित ग्राम बरपानी में विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवाओं का परिवार निवास करता है। यहाँ रहने वाले पहाड़ी कोरवाओं के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने शासन ने पहल की। डीएमएफ से 2017 में नए भवन भी बनाएं। स्कूल में शिक्षा हेतु शिक्षक की व्यवस्था भी की गई थी। शहर से बहुत दूर वनांचल क्षेत्र में स्कूल होने से यहाँ कोई नियमित शिक्षक नहीं था। राज्य शासन द्वारा अतिशेष शिक्षको के समायोजन के निर्देश जारी होने के बाद जब

कोरबा जिले के प्राथमिक शालाओ के अतिशेष शिक्षको की काउंसिलिंग की गई तो प्राथमिक शाला बरपानी को एक नियमित प्रधानपाठक और एक रेगुलर शिक्षक मिल गया है। अब इस विद्यालय में भी शिक्षक उपलब्ध हो जाने से पहाड़ी कोरवाओं के बच्चों का भी भविष्य उज्ज्वल नजर आने लगा है। इन गाँव के संपत लाल कोरवा ने बताया कि स्कूल में 25 बच्चे हैं। विगत कई साल से रेगुलर शिक्षक नहीं होने से अध्यापन प्रभावित होता था। बीते शिक्षा सत्र में एक अतिथि महिला शिक्षक कक्षाएं लेती थी। अब खुशी की बात है कि हमारे गाँव के स्कूल को एक प्रधानपाठक और एक नियमित शिक्षक मिल गया है। गाँव के झुनी बाई, शैम्पूरम कोरवा, बुधवारी बाई ने बताया कि हमारे गाँव के पास स्कूल खुलने के बाद गाँव के बच्चों को स्कूल भेजते हैं। स्कूल में शिक्षक नहीं होने से दूसरे स्कूल के शिक्षको को भेजा जाता है। कई बार बीमारी या दूसरे कारणों से शिक्षक के अवकाश में रहने से समस्याएं आ जाती है। अब हमारे गाँव के स्कूल में शिक्षक मिल जाने से हमारे बच्चों को भी इन शिक्षकों के माध्यम से अच्छी शिक्षा मिलेगी।

पहाड़ी कोरवाओं वाले विद्यालयों में दी गई है प्राथमिकता

शासन से अतिशेष शिक्षको को शिक्षकविहीन और एकलशिक्षकीय विद्यालय में युक्ति युक्तकरण व समायोजन के निर्देश जारी होने के पश्चात शिक्षा विभाग के माध्यम से कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने जिले के उन विद्यालयों को चिन्हित कराया,जहाँ पर लम्बे समय से शिक्षकों की कमी बनी हुई थी। उन्होंने दूरस्थ क्षेत्र के विद्यालयों, पहाड़ी कोरवाओं वाले विद्यालयों को भी लाभान्वित करने के उद्देश्य से अतिशेष शिक्षको की नियुक्ति में ऐसे विद्यालयों को प्राथमिकता में रखा। जिले के दूरस्थ क्षेत्र वाले विद्यालय तीतरडाँड़,खमहूँन, नकिया,श्यांग, गोलहर, पेंड्रीडीह, कोरई, चिरईझुंझ,रफ्ता, खैरभवना,कदमझेरिया सहित अनेक विद्यालय है जहाँ बड़ी संख्या में पहाड़ी कोरवा बच्चे प्राथमिक शाला में अध्ययन करते हैं। इन स्कूलों में शिक्षको की कमी को दूर करने के लिए अतिशेष शिक्षको को नियुक्त किया गया है।

नियमित शिक्षको की नियुक्ति से पहाड़ी कोरवा जनजाति के बच्चों को बेहतर शिक्षा मुहैया हो पायेगी। कलेक्टर श्री वसंत ने कहा कि अतिशेष शिक्षको के समायोजन से शिक्षकविहीन और एकलशिक्षकीय विद्यालय को बड़ी संख्या में लाभ मिल है। पहाड़ी कोरवाओं वाले विद्यालयों में नियमित शिक्षको की पदस्थापना से शैक्षणिक माहौल और भी बेहतर होगा।

असर्वेक्षित ग्राम माखुरपानी, केराझरिया, सुर्वे व पेंड्राडीह के नक्शा के अंतिम प्रकाशन हेतु उद्घोषणा जारी

कोरबा । कलेक्टर श्री अजीत वसंत के मार्गदर्शन में जिला में असर्वेक्षित ग्रामों का राजस्व सर्वेक्षण का कार्य प्रक्रियाधीन है। जिसके तहत राजस्व निरीक्षक मंडल व तहसील अजगरबहार अंतर्गत पटवारी हल्का नंबर 04 ग्राम माखुरपानी, पटवारी हल्का नंबर 06 ग्राम केरीझारिया, पटवारी हल्का नंबर 08 ग्राम सुर्वे, पटवारी हल्का नंबर 10 ग्राम पेंड्राडीह से प्रारंभिक प्रकाशन उपरांत किसी प्रकार की दावा आपत्ति प्राप्त नहीं होने से अंतिम प्रकाशन की कार्यवाही हेतु उद्घोषणा किया जाना है। सर्वेक्षण कार्य एजेन्सी आईआईटी रुड़की द्वारा अंतिम प्रकाशन हेतु तहसील अजगबहार अंतर्गत ग्राम माखुरपानी के 01 नक्शा शीट, केरीझारिया के 02 नक्शा शीट, ग्राम सुर्वे के 01 नक्शा शीट एवं ग्राम पेंड्राडीह के 01 नक्शा शीट उपलब्ध कराया गया है। संबंधित नक्शा शीटों का भौतिक सत्यापन राजस्व सर्वेक्षण दल द्वारा कराकर नक्शा व खसरा तैयार किया गया है।हल्का पटवारी द्वारा तैयार अभिलेख खसरा व नक्शा भू-धारकों के अवलोकन हेतु संबंधित ग्रामों के पंचायत भवन में कार्यालयीन अवधि में उपलब्ध रहेगा। उक्त संबंध में हल्का पटवारी द्वारा तैयार किए गए नक्शा शीटों एवं खसरों पर दावा आपत्ति आमंत्रित है। किसी भी व्यक्ति या संस्था को तैयार किए गए नक्शा शीटों पर आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से आगामी 15 दिवस के भीतर लिखित / मौखिक आवेदन कार्यालयीन समय में स्वयं या अभिभाषक के माध्यम से दावा आपत्ति संबंधित ग्राम पंचायत भवन में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

7 दिन के भीतर रिपोर्ट देने को कहा प्रशासन ने

कोरबा । निजि अस्पताल श्वेता हॉस्पिटल कोरबा में दिनांक 01 जून 2025 को सिविल लाईन रामपुर अंतर्गत ग्राम गोढ़ी निवासी अंजली सिंह पति श्री रणजीत सिह के ऑपरेशन से प्रसव पश्चात मृत्यु को प्रकरण पर कलेक्टर के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा प्रकरण की जॉच हेतु चार सदस्यीय जॉच दल का गठन किया गया है। गठित जॉच दल के विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा प्रकरण के संपूर्ण पहलुओं पर तथ्यपरक जॉच करते हुए अपना स्पष्ट अभिमत सहित 07 दिवस में प्रतिवेदन देने को कहा गया है। जॉच दल में डॉ. (श्रीमती) सी.के.सिंह , जिला परिवार कल्याण एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ.प्रीतेश मसीह, विशेषज्ञ मेडीसीन, स्व.विसाहूदास महंत स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, डॉ.आदित्य सिसोदिया, स्त्रीरोग विशेषज्ञ, एसोसियेट प्रोफेसर, कार्यालय कोरबा शामिल हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कोरबा । एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर औद्योगिक क्षेत्र, खरमोरा, कोरबा के जलागार परिसर में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, कोरबा द्वारा जिला उद्योग संघ कोरबा के सहयोग से सीताफल, काजू, कदम्ब, अमरूद, गुलमोहर इत्यादि पौधों का रोपण किया गया। साथ ही जिले के औद्योगिक क्षेत्र, खरमोरा एवं कोहड़िया में स्थापित विभिन्न औद्योगिक इकाईयों के इकाई परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पेड़ो का भी पौधरोपण किया गया। इसी प्रकार विकासखण्ड कटघोरा एवं पोड़ीउपरोड़ा में स्थित विभिन्न औद्योगिक इकाईयों के परिसर में इकाईयों को प्रोत्साहित करते हुए वृक्षारोपण का कार्य किया गया। एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक श्री टी. आर कश्यप, प्रबंधक श्री तरूण कुमार राठिया, जिला उद्योग संघ के पदाधिकारी श्री श्रीकांत बुधिया, अध्यक्ष, श्री संतोष खरे, सचिव, श्री गोपाल पटेल सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

आबकारी ने 329 आपराधिक मामलों में जप्त की 1620 लीटर अवैध शराब और 8280 किलो लाहन

कोरबा । कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने अवैध शराब पर सघन एवं सख्त कार्यवाही करने आबकारी विभाग को निर्देशित किया है। सहायक आयुक्त आबकारी, श्रीमती आशा सिंह ने जिले में पदस्थ अमले को लगातार कार्यवाही कर अधिकाधिक मात्रा में अवैध शराब जप्त करने टीम का गठन किया है।

माह अप्रैल और मई, 2025 में 329 आपराधिक प्रकरण जिले में दर्ज किये गये है जिसमें लगभग 1620 लीटर अवैध शराब और 8280 किलो शराब बनाने का लाहन छापामार कर जप्त किया गया है। 55 आरोपियों के विरूद्ध धारा 34(2) के तहत् अजमानतीय अपराध दर्ज कर न्यायालय से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है। इन आपराधिक प्रकरणों में शराब का बाजार मूल्य लगभग बीस लाख रूपये आंका गया है। साथ ही 4.200 किलोग्राम गांजा मूल्य सत्तावन हजार रूपये जप्त कर दो आरोपियों को एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत् जेल भेजा गया है।सहायक आयुक्त आबकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार रजगामार हाथीमुड़ क्षेत्र में अवैध शराब बनाकर बिक्री की सूचना पर आबकारी टीम की कार्यवाही में पंकज कुमार पिता ठण्डा राम और सुमित्रा पति फूलसिंह को 35.5 और 6.5 लीटर अवैध शराब बिक्री करते हुए रंगे हाथो पकड़ा गया। उपनिरीक्षक नारायण सिंह कंवर ने आरोपियों को कोरबा न्यायालय से अभिरक्षा में जेल दाखिल किया है। बालको थाना क्षेत्र के रूमगरा हवाई पट्टी के पास मुकेश चौहान पिता छतपाल और अजगरबहार के राधेश्याम सारथी पिता सुकलाल को 20 लीटर, दोंदरों के दुर्गेश पिता गणेश सिंह को 14.5 लीटर अवैध शराब ग्राहको को पालिथिन पाउच और बोतल में भरकर बिक्री के लिए रखें हुए पाये जाने पर धारा 34(2) के तहत् गिरफ्तार किया। दर्री थाना क्षेत्र में नदियांखार डेम के पास नदी के बीचोबीच दूरपति एवं सरस्वती दो बहनों द्वारा भारी मात्रा में अवैध शराब बिक्री की सूचना पर उपनिरीक्षक श्रीमती दीपमाला लक्षवानी ने टीम के साथ दबिश दी मौके पर नदी किनारे रेत में छिपाकर रखे डिब्बों में कुल 57 लीटर महुआ शराब बरामद कर जप्त किया गया। आरोपी बहनों को न्यायालय कटघोरा से रिमाण्ड पर कोरबा जेल भेजा गया। थाना करतला के सरदुकला में बलराम पिता घुससिंह को देशी, विदेशी और महुआ तीनों प्रकार की कुल 15.08 लीटर शराब बेचते पाया गया। बलराम से 12 पाव देशी मदिरा प्लेन, 19 पाव विदेशी मदिरा गोवा व्हिस्की और बोतलों में भरी हुई 9.5 लीटर महुआ शराब बेचने के लिए रखे पाये जाने पर आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध कर न्यायालयीन कार्यवाही की गई। बांगो थाना क्षेत्र में माचाडोली के महिराम रजक पिता भंवर सिंह के द्वारा शराब बेचे जाने की सूचना सहायक जिला आबकारी अधिकारी, श्री रमेश कुमार अग्रवाल को मिली। जिसकी खरीदी की टेस्ट परचेस कार्यवाही कर जांच की गई। आरोपी महिराम से 5.5 लीटर शराब बरामद होने पर गिरफ्तार कर न्यायालय कटघोरा से रिमाण्ड पर जेल भेजा गया।

उल्लेखनिय है कि छत्तीसगढ़ में 5 लीटर से अधिक मात्रा में अवैध शराब धारण, निर्माण, बिक्री या परिवहन दण्डनीय और अजमानतीय अपराध है, इसमें आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है। न्यायिक अभिरक्षा में जेल दाखिल कर विवेचना उपरान्त प्रकरण का अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है। इसमें एक वर्ष से तीन वर्ष तक का कारावास और पच्चीस हजार रूपये से एक लाख रूपये तक के जुर्माने के दण्ड का प्रावधान है। आरोपी के दूसरी बार दोष सिद्ध पाये जाने पर कारावास की अवधि दो वर्ष से पांच वर्ष और जुर्माना पचास हजार से दो लाख रूपये तक लिए जाने का प्रावधान है।

वन अधिकार पट्टा के संबंध में बैठक आयोजित

कोरबा । कलेक्टर श्री अजीत वसंत की अध्यक्षता में आज वन अधिकार पट्टा के संबंध में कलेक्टर सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में नव निर्वाचित श्रीमती शांति मरावी, माया रूपेश कंवर, विनोद यादव सदस्य जिला पंचायत कोरबा एवं सदस्य जिला वन अधिकार समिति कोरबा के सदस्य एवं श्री मुनीर शुक्ला अध्यक्ष ग्राम मित्र संस्थान उपस्थित हुए। बैठक में पट्टा वितरण वन अधिकार व्यक्तिगत, सामुदायिक, सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र का अनुमोदन किया गया।

कलेक्टर ने बरपाली तहसील कार्यालय का किया आकस्मिक निरीक्षण

कोरबा । कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने आज कोरबा विकासखंड के बरपाली तहसील कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने तहसील कार्यालय के विभिन्न शाखाओं के अवलोकन करते हुए राजस्व प्रकरणों के निराकरण प्रगति की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंनेसभी प्रकरणों को समय सीमा में निराकृत करने एवं आगंतुकों को राहत पहुँचाने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने न्यायालय तहसीलदार, न्यायालय नायब तहसीलदार, रीडर कक्ष सहित अन्य शाखाओं का निरीक्षण करते हुए ई-कोर्ट के कार्य, सीमांकन, बटांकन, नामांतरण, सहित अन्य राजस्व प्रकरणों की मदवार जानकारी लेते हुए तहसीलदार को सभी लंबित प्रकरणों का यथाशीघ्र जांच पूर्ण कर निराकृत करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने सभी प्रकरणों को ऑनलाइन अपडेट कराने के लिए कहा। साथ ही पेशी की तारीख का भी शत प्रतिशत ऑनलाइन अद्यतन कराने की बात कही।

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अधिक से अधिक प्रकरणों का 06 माह के भीतर निराकरण करें। धारा 250 (कब्जा से सम्बंधित प्रकरण) के आवेदनों का भी शीघ्रता से निराकरण करने की बात कही। कलेक्टर ने अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए कार्यालय आने वाले लोगों की समस्याओं को गम्भीरता से सुनने और राहत दिलाने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया।इस दौरान कलेक्टर ने नवनिर्मित बरपाली के तहसील भवन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सम्पूर्ण भवन परिसर का अवलोकन करते हुए पूर्ण हो चुके नवीन तहसील भवन में एक सप्ताह के अंदर तहसील कार्यालय को संचालित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम कोरबा श्री सरोज महिलांगे, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्राथमिक शाला तिलकेजा के विलोपन पर गहराया विवाद

कोरबा । 6 जिले की एक ऐतिहासिक प्राथमिक शाला राज्य सरकार के युक्तियुक्तकरण नीति का शिकार होकर विलुप्त हो रही है। सन 1910 में स्थापित इस प्राथमिक पाठशाला तिलकेजा को एक उप मुख्यमंत्री, एक गृहमंत्री और एक सांसद सहित अनेक विभूतियों को शिक्षा दीक्षा देने का श्रेय है।

इस पाठशाला ने प्रदेश और देश को अनेक प्रतिभाएं गढ़कर भेंट की। यहां से राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी, शिक्षाविद, शासकीय सेवक और मंत्री ने भी अपनी शिक्षा यात्रा की शुरुआत की थी। इस पाठशाला से पढ़े कुछ प्रमुख व्यक्तियों में स्व. प्यारेलाल कंवर, रामपुर विधानसभा से 7 बार के विधायक और अविभाजित मध्यप्रदेश में राज्यमंत्री से लेकर उपमुख्यमंत्री रहे। ननकीराम कंवर, अविभाजित मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के कद्दावर आदिवासी नेता और पूर्व गृहमंत्री, स्व. डॉक्टर बंशीलाल महतो, कोरबा सहित आदिवासी क्षेत्रों में गरीबों का डॉक्टरऔर पूर्व सांसद, श्यामलाल कंवर पूर्व पुलिस अधिकारी और पूर्व विधायक आदि शामिल हैं।शासन की युक्तियुक्तकरण की योजना के तहत इस पाठशाला के विलोपीकरण का निर्णय लिया गया है। इसका विलोपन तिलकेजा की कन्या आश्रम में किया गया है, हालांकि दोनों शालाएं एक ही कैंपस में हैं। आरोप है कि कोरबा जिला शिक्षा विभाग ने राज्य शासन के स्पष्ट निर्देश के बावजूद इस ऐतिहासिक महत्व के स्कूल को तिलकेजा के ही कन्या आश्रम में मर्ज किया है, जिससे इस ऐतिहासिक स्कूल का नाम और पहचान समाप्त हो जाएगी। ग्रामवासियों ने पाठशाला को कन्या आश्रम में मर्ज नहीं करने की मांग की है। प्राथमिक शाला तिलकेजा के पूर्व विद्यार्थी और छत्तीसगढ़ के पूर्व गृह मंत्री ननकीराम कंवर ने एक पत्र जारी कर पाठशाला तिलकेजा के ऐतिहासिक महत्व को प्रमाणित किया है। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग पाठशाला तिलकेजा के ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए कोई फैसला लेता है या नहीं।

आगामी वर्षाकाल में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से परिसम्पतियां हटाने की सूचना जारी

कोरबा। कोरबा ने जिले के सर्व साधारण एवं कार्य संबंधितों को सूचित किया है कि आगामी वर्षाकाल 2025 के दौरान आवश्यकता होने पर हसदेव बरॉज दर्री से नदी में पानी प्रवाहित करने हेतु जलद्वार को अकस्मात कभी भी खोला जा सकता है । इस हेतु सर्व संबंधित उक्त बांध से नीचे, हसदेव नदी के किनारे, बाढ़ क्षेत्र में स्थापित अपने चल-अचल सम्पत्ति को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर लें। इसी प्रकार बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में स्थापित खनिज, खदान ठेकेदार, औद्योगिक इकाईयां, संस्थानों आदि को भी सूचित किया गया है कि वे अपनी परिसम्पत्तियों को बाढ़ क्षेत्र से बाहर कर लेना सुनिश्चित करें। आकस्मिक बाढ़ से होने वाली किसी भी प्रकार की क्षति के लिए जल प्रबंध संभाग उत्तरदायी नहीं होगा। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में आने वाले संभावित गांवो में चारपारा, खैरभवना, बलरामपुर, भलपहरी, जोगीपाली, कोहड़िया, राताखार, गेवराघाट, सीतामणी,इमलीडुग्गु, कुदुरमाल, बरीडीह, कटबितला, मोहरा, चिचोली, झींका, ठिठोली एवं जांजगीर चांपा जिले के चॉम्पा एवं देवरी गांव शामिल हैं।

गिरफ्तार भू विस्थापितों के रिहाई की उठी मांग

कोरबा। छत्तीसगढ़ किसान सभा,माकपा और भू विस्थापित संगठनों ने कहा कि एसईसीएल में अपनी जमीन जाने के बाद लगातार रोजगार की मांग कर रहे भू विस्थापित किसानों के शांतिपूर्ण आंदोलन पर एसईसीएल और प्रशासन के दमनात्मक रवैये को स्वीकार नहीं किया जाएगा। कुसमुंडा खदान में शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे सरिता कौशिक,गोमति केवट,मीना कंवर,लंबोदर श्याम को गिरफ्तार किया गया है उन्हे तत्काल रिहा करने की मांग करते हुए शनिवार को एसईसीएल के दमनकारी सीएमडी हरीश दुहान का पुतला फूकने का एलान किया है। उल्लेखनीय है कि कुसमुंडा खदान क्षेत्र के कई गांवों की जमीन को 1978 से लेकर 2004 के मध्य कोयला खनन के लिए अधिग्रहित किया गया है, लेकिन तब से अब तक विस्थापित ग्रामीणों को न रोजगार दिया गया है, न पुनर्वास। ऐसे प्रभावितों की संख्या 1000 से भी अधिक है और वे लंबे समय से रोजगार के लिए आंदोलनरत है, जबकि एसईसीएल प्रबंधन उन्हें रोजगार देने में आनाकानी कर रहा है। अप्रैल महीने में भी प्रशांत झा सहित 13 भू विस्थापितों के खिलाफ एसईसीएल प्रबंधन द्वारा दंगा फैलाने जैसे मामले में एफआईआर दर्ज कराई थी।आंदोलनकारी रोजगार और पुनर्वास से जुड़े अपने अधिकारों के लिए अंतिम सांस तक लड़ेंगे और दमन की किसी भी कार्यवाही से डरने वाले नहीं है। इसके पहले भी वे लाठी और जेल का सामना कर चुके हैं। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव प्रशांत झा ने इन गिरफ्तारियों की निंदा करते हुए भू विस्थापितों को रिहा करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि एसईसीएल और प्रशासन की संवेदनहीनता के कारण ही विस्थापित बेरोजगारों का आंदोलन इतने चरम पर पहुंचा है, जिसे प्रबंधन उचित पहलकदमी करके टाल सकता था। उन्होंने कहा कि एसईसीएल प्रबंधन ने समस्या को हल करने का कई बार वादा किया लेकिन इस दिशा में उसने कोई ठोस कार्य नहीं किया। माकपा नेता प्रशांत झा ने आरोप लगाया की जब से एसईसीएल के नए सीएमडी हरीश दुहान बैठे है तब से एसईसीएल आंदोलन को दबाने के लिए दमन की नीति पर काम कर रहा है।

एचटीपीएस में पर्यावरण दिवस पर लगाए गए फलदार पौधे

विद्युत संयंत्र में ''एक पेड़ मां के नाम'' मुहिम के साथ पौधरोपण और विविध कार्यक्रम आयोजित

कोरबा । हसदेव ताप विद्युत संयंत्र (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम के आवासीय परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस पर फलदार पौधों का रोपण किया गया। मुख्य अभियंता प्रवीण श्रीवास्तव एवं अतिथियों द्वारा अपने हाथों से आम, जामुन और आंवला के पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता ने कहा कि पौधे को लगाने के साथ ही उन्हें पेड़ बनने तक बचाए रखना भी हमारा नैतिक कर्तव्य है।

गुरूवार को इस कार्यक्रम की शुरूआत ''एक पेड़ मां के नाम'' के साथ की गई। परियोजना प्रबंधक (2×660 मेगावॉट) बीपी पाटले, अतिरिक्त मुख्य अभियंता एमके गुप्ता, पीके स्वैन, राजेश पांडेय, पीके मलघानी, केएनबी. राव, एससी पाठक और वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ एके. कुरनाल एवं संकल्प महिला मंडल की अध्यक्ष रूबी श्रीवास्तव सहित महिला मंडल की पदाधिकारियों द्वारा भी अपने हाथों से पौधे रोपे गए। पौधरोपण के लिए आवासीय परिसर में महिलाओं एवं बच्चों के बीच खासा उत्साह रहा।

विद्युत संयंत्र में विभिन्न वर्गों में अधिकारी-कर्मचारी, श्रमिक, बच्चे एवं महिलाओं के बीच चित्रकला, नारा एवं निबंध प्रतियोगिताएं रखी गई थी, जिसमें विजयी प्रतिभागियों को मुख्य अभियंता प्रवीण श्रीवास्तव एवं अतिथियों के हाथों पुरस्कार दिया गया। प्लास्टिक का पुनउर्पयोग विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता में राधा पैगवार, डॉ. मंजुला साहू, डॉ. श्वेताम्बरी महंता, भावना ध्रुर्वे ने पुरस्कार जीते। चित्रकला स्पर्धा में छात्र-छात्राएं रियांशी ठाकुर, अभिजीत साहू, अयांश पटेल, कारून्या पटेल, समिता बघेल, कृतिका कंवर, सुनिधि मिश्रा, देविशा कर, शौर्य साहू ने पुरस्कार जीते हैं। जबकि नारा स्पर्धा में अधिकारी-कर्मचारी मनोज कुमार पटेल, श्रीराम साहू, राधा पैगवार एवं श्रमिक वर्ग से परदेशी लाल चंद्रा, कार्तिक दास महंत, मीना कैवर्त्य को पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम का समन्वय सहायक प्रबंधक (पर्यावरण) विकास उइके ने किया।

श्री श्याम मित्र मंडल समिति चुनाव अमान्य घोषित

कोरबा। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के निर्देशानुसार रजिस्ट्रार, फर्म्स एवं सोसायटीज रायपुर ने श्री श्याम मित्र मंडल समिति, कोरबा के दिनांक 01 अक्टूबर 2024 को आयोजित चुनाव को अमान्य घोषित करते हुए समिति को 45 दिवसों के भीतर नई कार्यकारिणी गठित करने का निर्देश जारी किया है। यह आदेश गोपाल कुमार अग्रवाल द्वारा दायर रिट याचिका (क्रमांक 6329/2024) के आधार पर पारित किया गया। याचिका में चुनाव प्रक्रिया को गैरकानूनी, अपारदर्शी और पक्षपातपूर्ण बताते हुए इसकी वैधता को चुनौती दी गई थी।

शिवरीनारायण में बाढ़ आपदा से बचाव के लिए किया गया मॉकड्रिल

जांजगीर-चांपा। शिवरीनारायण स्थित महानदी के बाबाघाट में आज बाढ़ आपदा से बचाव के लिए मॉकड्रिल (पूर्वाभ्यास) का आयोजन किया गया। कलेक्टर जन्मेजय महोबे एवं एसपी विजय कुमार पांडेय ने बाढ़ आपदा से बचाव की आवश्यक तैयारियों का भी जायजा लिया और सम्पूर्ण गतिविधियां देखी। इस दौरान अपर कलेक्टर आर के सिंह तंबोली, एसडीएम जांजगीर सुब्रत प्रधान, जिला अग्निशमन अधिकारी सुश्री योग्यता साहू सहित एसडीआरएफ-नगरसेना के जवान सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

शुक्रवार को एसडीआरएफ एवं नगर सेना की टीम द्वारा उपलब्ध समस्त बाढ़ बचाव सामग्रियों एवं अग्निदुर्घटना से बचाव का मॉकड्रिल किया गया। मॉकड्रिल में मोटर बोट, स्क्यूबा डायविंग, लाइफ जैकेट, सर्च लाइट एवं विभिन्न प्रकार के बचाव उपकरण का प्रयोग कर बाढ़ बचाव कार्य का लाइव

डेमो (मॉकड्रिल) किया गया। मॉकड्रिल में बताया गया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के घरों में उपलब्ध होने वाली सामग्रियों जैसे गोल बर्तन, ड्रम, मटका, ट्यूब, प्लास्टिक बॉटल, इत्यादि सामग्रियों का राफ्ट (तैरती हुई संरचना) बनाना एवं पीने के पानी की बोतल को एयर टाइट कर लाइफ जैकेट बनाकर डूबते हुए व्यक्ति को बचाया जा सकता है।

कलेक्टर ने बाढ़ राहत बचाव की तैयारियों की सराहाना की। उन्होंने कहा कि हमारे जिले की बाढ़ आपदा राहत टीम पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि बाढ़ आपदा में बचाव के लिए मॉक ड्रिल एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य आपदा के समय त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना होता है। इससे आपातकालीन सेवाओं को वास्तविक स्थिति में अभ्यास करने का अवसर मिलता है। इसमें बाढ़ एवं आपदा के दौरान लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाना, प्राथमिक चिकित्सा देना, और आपदा प्रबंधन के अन्य पहलुओं को शामिल किया जाता है। मॉक ड्रिल का एक और उद्देश्य जनसाधारण को जागरूक करना भी होता है। लोगों को सिखाया जाता है कि बाढ़ आने पर उन्हें क्या करना चाहिए और किस तरह की सहायता उपलब्ध होगी।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मॉकड्रिल के माध्यम से तैयारियों की जांच संतुष्टिपूर्वक एवं आशापूर्वक संपन्न की गई। बाढ़ आपदा राहत के लिए हमारे जिले की टीम की पूरी तैयारी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की मॉकड्रिल यह सुनिश्चित करती हैं कि आपदा के समय नागरिक और प्रशासन मिलकर प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें और जान-माल के नुकसान को कम किया जा सके।

जिला सेनानी सुश्री योग्यता साहू ने बताया कि एसडीआरएफ बिलासपुर और नगरसेना जांजगीर बाढ़ बचाव दल की संयुक्त टीम बनाई गई है। मॉकड्रील में व्यक्ति के डूब जाने, फंस जाने, अग्निदुर्घटाना की सूचना प्राप्त होने पर रिस्पांस टाइम कम कर टीम द्वारा उनको रेस्क्यू करने का पूर्वाभ्यास किया गया। साथ ही उन्होंने कहा कि हमारे घर, गांव में जो अनुपयोगी वस्तुएं एवं कबाड़ होते है उसका उपयोग कर आपदा के समय में अपने आप को कैसे रेस्क्यू कर सकते है उसका भी मॉकड्रिल के माध्यम से नागरिकों को बताया गया।

युक्तियुक्तकरण में बड़ी लापरवाही, BEO एम.डी. दिवान तत्काल प्रभाव से निलंबित

जांजगीर-चांपा । स्कूल शिक्षा विभाग के युक्तियुक्तकरण संबंधी निर्देशों के पालन में लापरवाही बरतने पर विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी बम्हनीडीह, जिला जांजगीर-चांपा एम.डी. दीवान को निलंबित कर दिया गया है। निलंबन की यह कार्रवाई आयुक्त बिलासपुर संभाग बिलासपुर द्वारा की गई है।

शासन से प्राप्त निर्देशों के अनुसार, जांजगीर-चांपा जिले के बम्हनीडीह विकासखण्ड में पदस्थ अतिशेष शिक्षकों का चिन्हांकन कर वरीयता सूची तैयार की जानी थी। जिला शिक्षा अधिकारी, जांजगीर-चांपा द्वारा कलेक्टर को प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसमें उल्लेख किया गया कि विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा तैयार की गई वरीयता सूची में अनियमितताएं पाई गईं हैं। सूची की त्रुटियों को काउंसलिंग के पूर्व ठीक कर प्रक्रिया तो पूर्ण कर ली गई, लेकिन वरीयता सूची तैयार करने में बरती गई लापरवाही को गंभीर मानते हुए कलेक्टर, जांजगीर-चांपा द्वारा अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव दिया गया था। इसी के आधार पर बिलासपुर संभागायुक्त ने बीईओ दीवान को तत्काल प्रभाव से निलंबित किए जाने का आदेश जारी किया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय संयुक्त संचालक, स्कूल शिक्षा विभाग, बिलासपुर संभाग, बिलासपुर नियत किया गया है।

जय माता दी कोल डिपो की अनुमति निरस्त करने की मांग

जिपं सभापति उमा राठौर ने की कलेक्टर से शिकायत

जांजगीर। कोरबा रोड पर संचालित जय माता दी कोल डिपो की अनुमति तत्काल निरस्त की मांग जिला पंचायत के सभापति उमा राठौर ने कलेक्टर से की हैं। सभापति राठौर ने ज्ञापन में बताया कि चाम्पा तहसील के ग्राम सिवनी (च) स्थित कोरबा रोड पर संचालित जय माता दी कोल डिपो द्वारा किए जा रहे जहां नियम उल्लंघन एवं पर्यावरण विनाश की ओर आकर्षित करना चाहती हूँ। स्थानीय किसानों एवं निवासियों द्वारा लिखित शिकायत प्राप्त होने के बाद आधारों पर इस डिपो की अनुमति तत्काल निरस्त किया जाए।

उन्होंने बताया कि डिपो हाईटेंशन लाइन एवं एनएच कोरबा रोड के निकट स्थित है, जिससे विद्युत दुर्घटना एवं सड़क जाम की आशंका बनी रहती है। कोयले की काली धूल से आसपास की कृषि भूमि बंजर हो रही है तथा फसलों पर हानिकारक

प्रभाव पड़ रहा है। सिंचाई नहर एवं निस्तारी तालाब में कोयले की धूल जमा होने से पानी दूषित हो रहा है, इससे पीने योग्य जल संकट उत्पन्न हो गया है। मजदूरों का पंजीयन, ईएसआईसी न होना तथा सूचना बोर्ड का अभाव श्रम विभाग के नियमों का खुला उल्लंघन है। फ्यूजिटिव डस्ट रोकने के लिए छिड़काव प्रणाली, हार्वेस्टिंग सिस्टम अनुपस्थित होने के कारण वायु प्रदूषण निर्धारित सीमा से अधिक है। उमा राजेन्द्र ने डिपो का तत्काल निरीक्षण कर अनुमति निरस्त की जाए। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा वायुए जल की गुणवत्ता जांच की जाए। श्रम विभाग द्वारा मजदूरों के अधिकारों की जांचकर कार्रवाई की जाए, प्रभावित कृषकों को मुआवजा एवं स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जाएं। इसी तरह सभापति राठौर ने अपने एक और ज्ञापन ने बताया कि मुख्यमंत्री पंचायत सशक्तिकरण योजना अंतर्गत डीपीआरसी में कंप्यूटर ऑपरेटर पदों की नियुक्ति में अनियमितताओं के संबंध में जांच प्रतिवेदन पर उचित कार्रवाई की मांग की हैं। उन्होंने बताया कि भर्ती प्रक्रिया में निर्धारित आरक्षण रोस्टर का पालन नहीं किया गया।

पिकअप लोड अवैध लकड़ी पकड़ी गई

रायगढ़। जिले में एक पिकअप वाहन में अवैध रूप से लकड़ी का परिवहन करते हुए एक व्यक्ति को पकड़ा गया है। वाहन को जब्त कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार, गुरुवार शाम उड़नदस्ता प्रभारी योगेन्द्र गंडेचा को सूचना मिली थी कि जुर्डा की ओर से एक पिकअप में

अवैध लकड़ी लाई जा रही है। सूचना के आधार पर उन्होंने सहायक प्रभारी संदीप नामदेव के साथ पहाड़ मंदिर रोड पर चेकिंग अभियान शुरू किया।

जांच के दौरान जब एक संदिग्ध पिकअप वाहन आता दिखाई दिया, तो उसे रोककर पूछताछ की गई। वाहन चालक परिवेश पांडे से जब लकड़ी के संबंध में दस्तावेज मांगे गए तो वह कोई वैध कागजात पेश नहीं कर सका। इसके बाद वन विभाग की टीम ने लकड़ी से लदे पिकअप को जब्त कर बेलादुला डिपो भेज दिया।

लापरवाह ट्रेलर चालक को जेल

जांजगीर कोर्ट ने सड़क दुर्घटना में युवक को घायल करने के मामले में सुनाई 6 माह की सजा

जांजगीर-चांपा। जांजगीर के न्यायिक दंडाधिकारी द्वितीय श्रेणी अंजू कंवर ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। उन्होंने सड़क दुर्घटना के एक मामले में ट्रेलर चालक को दोषी करार दिया है। यह फैसला उस घटना को लेकर आया, जिसमें एक बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था और उसे महीनों तक इलाज कराना पड़ा।

सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी एस अग्रवाल ने बताया कि घटना 10 अगस्त 2023 की है। बद्री प्रसाद कश्यप अपने साथी केशव प्रसाद कश्यप के साथ मोटरसाइकिल से अकलतरा जा रहे थे। ग्राम खोखरा के पास फोरलेन सड़क पर एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने उन्हें टक्कर मार दी। इस हादसे में केशव कश्यप को दाहिने जांघ, कमर और पैर में गंभीर चोटें आईं।

ट्रेलर चालक के खिलाफ केस दर्ज

घायल केशव को पहले जिला अस्पताल जांजगीर ले जाया गया। बाद में उसे बिलासपुर और कोरबा के अस्पतालों में भी इलाज के लिए भर्ती कराया गया। उसका इलाज कई महीनों तक चला।

पुलिस जांच में पता चला कि ट्रेलर (छ्त्त12स् 5625) चालक किरण कुमार जगत, डोगीपेन्द्री खिसोरा का रहने वाला है। उस पर जांजगीर थाने में धारा 279, 337 और 338 के तहत केस दर्ज किया गया।

कोर्ट ने गवाहों की गवाही और सबूतों के आधार पर चालक को दोषी पाया। उसे धारा 279 में 3 माह और धारा 338 में 6 माह की सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई। साथ ही अर्थदंड भी लगाया गया। अर्थदंड न देने पर अतिरिक्त कारावास का प्रावधान भी रखा गया है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नपाध्यक्ष प्रदीप नामदेव ने लगाया कटहल का पौधा

चांपा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद द्वारा हरित स्वच्छता अभियान के अंतर्गत एक पेड़ माँ के नाम अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप नामदेव ने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट परिसर में कटहल का पौधा रोपित कर अभियान की शुरुआत की।

कार्यक्रम में नगर के समस्त पार्षदों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाते हुए अपनी-अपनी माताओं के नाम पर पौधरोपण किया। इसमें उपाध्यक्ष अमरजीत सिंह खटकर, नेता प्रतिपक्ष हरीश पांडे, पार्षद महेंद्र तिवारी, पुरुषोत्तम देवांगन, ललित देवांगन, भगवती संतोष देवांगन, पवन साहू, ईश्वर देवांगन, अशोक देवांगन, पवन आर्य, भगवंतीन साहू, दुर्गा कुर्रे और रमशीला गिरधर देवांगन शामिल रहे।

इस मौके पर तहसीलदार प्रशांत पटेल, नगर पालिका सीएमओ भोला सिंह ठाकुर, सुनील तिवारी, प्रमोद कुर्रे, कार्यपालन अभियंता योगेश राठौर एवं इंजीनियर देवेंद्र कैवर्त सहित नगर पालिका का पूरा स्टाफ उपस्थित रहा।

नपाध्यक्ष प्रदीप नामदेव ने कहा कि आज के समय में ग्लोबल वार्मिंग एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। इससे निपटने के लिए प्रत्येक नागरिक को पर्यावरण के प्रति जागरूक होकर कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखरेख भी करनी चाहिए। यह अभियान केवल वृक्षारोपण का नहीं, बल्कि मातृप्रेम को प्रकृति से जोड़ने की एक अनूठी पहल है।

नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोपी को मिली 5 साल की सजा

जांजगीर चांपा । नाबालिग से छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को अपर सत्र न्यायाधीश ने 5 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 500 हजार रुपए के। अर्थदंड से दंडित किया गया।

अभियोजन के अनुसार प्रार्थिया ने चौकी नैला थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई कि कक्षा 5वीं तक पढ़ी है। रोजी मजदूरी का काम करती है। 13 दिसंबर 2023 को प्रार्थिया व उसके पति रोजी मजदूरी करने दोपहर 2 बजे ग्राम सरखों चले गए थे। वे लोग रोजी मजदूरी का काम कर शाम 6 बजे घर वापस आए तो उसकी बड़ी बेटी पीड़िता ने उसे रोते हुए बताई की धरम मामा करीब शाम 5.30 बजे अपने मोबाइल को चार्ज करने के लिए उसके घर छोड़ने आए थे। उसे व उसकी बहन को अपने घर चाकलेट दूंगा कहकर ले गए और अपने घर की दीवार में उसे बैठाकर गंदी हरकत करने लगे। कुछ देर बात उसके मां-पापा आए तो पीड़िता ने घटना की जानकारी दी। पीड़िता की रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपी के खिलाफ पर्याप्त सबूत पाए जाने पर गिरफ्तार किया गया। साथ ही विवेचना पूर्ण कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। अभियोजन ने तर्क दिया कि जिस प्रकार से आरोपी द्वारा नाबालिग से गंदी हरकत करते हुए छेड़छाड़ किया गया है, वह निश्चित ही घोर दंडनीय अपराध है। आरोपी को कठोर दंड दिया जाए। जिस पर अपर सत्र न्यायाधीश (पाक्सो) अनिल कुमार बारा ने नैला चौकी के गांव सरखो निवासी धरमलाल पिता दुखहरण सूर्यवंशी (43) को धारा 8 पाक्सो एक्ट के तहत 5 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई। साथ ही 500 रुपए के अर्थदंड से दंडित किया गया। अर्थदंड की राशि नहीं पटाने पर एक माह अतिरिक्त कारावास भुगतने का आदेश दिया गया। अभियोजन की ओर से विशेष -लोक अभियोजक (पाक्सो) चंद्रप्रताप सिंह ने पैरवी की।

कलेक्टर ने ली यूरिया उर्वरक के गैर कृषि प्रयोजन में व्यपवर्तन को रोकने व निगरानी के संबंध में बैठक

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर ने यूरिया उर्वरक के गैर कृषि प्रयोजन में व्यपवर्तन को रोकने व निगरानी हेतु राजस्व, कृषि एवं उद्योग विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गोकुल रावटे, उप संचालक कृषि, अनुविभागीय कृषि अधिकारी, नोडल अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, डी.एम.ओ., उद्योग विभाग अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 के खंड 25 में कृषि क्षेत्र में उपयोग के अलावा किसी अन्य उद्देश्य के लिए उर्वरक की बिक्री पर सख्ती से प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने कहा कि यूरिया उर्वरक पर पर्याप्त मात्रा में सब्सिडी प्रदान की जा रही है।

जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

जांजगीर-चांपा। खेल एवं युवा कल्याण रायपुर के निर्देशानुसार खेल एवं युवा कल्याण विभाग जांजगीर-चांपा द्वारा 30 दिवसीय जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन जिला मुख्यालय जांजगीर में किया गया। प्रभारी जिला खेल अधिकारी ने बताया कि ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में हॉकी, कराते, फेसिंग, बास्केटबॉल, हैंडबॉल, वॉलीबाल, फुटबाल एवं नेटबाल खेलों का आयोजन किया गया। शिविर में 507 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह आज बास्केटबाल मैदान जांजगीर में आयोजित किया गया। समापन समारोह की मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद जांजगीर नैला अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवा गढ़वाल ने कहा कि खेलों को बच्चों का सर्वांगीण विकास का आधार है एवं खेल से बच्चों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। साथ उन्होंने सभी खिलाड़ियों का प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले व राज्य का नाम रोशन करें।

इस अवसर पर एसडीएम एवं प्रभारी अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण विभाग सुब्रत प्रधान, मनोज पाण्डेय, देवा गढवाल, गोपेश्वर कहरा जिला हॉकी संघ, जितेन्द्र तिवारी जिला हैंडबॉल संघ,पदमेश शर्मा जिला क्रिकेट संघ, वरूण पाण्डेय जिला कराते संघ,

सुश्री रूखमणी रानू जिला फेसिंग संघ, राजेश राठौर जिला नेटबाल संघ, भीम श्रीवास जिला वॉलीवाल संघ, राकेश गढवाल खेलों इंडिया प्रशिक्षक, अशोक साहू, विश्वरतन शर्मा, गौरव कटवार, दिनेश रात्रे, कु संजना साहू सहित विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारी एवं खिलाड़ी व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का मंच संचालन दीपक यादव एवं आभार खेल एवं युवा कल्याण एस.एस. बघेल द्वारा किया गया।

प्रशिक्षक एवं खिलाड़ी हुए सम्मानित

समापन समारोह में प्रशिक्षक राकेश गढ़वाल हॉकी, सुश्री रूखमणी रानू कराते, वरूण पाण्डेय फेंसिंग, गौरव कटकवार हैण्डबॉल, रोशन लाठिया नेटवाल, भीम श्रीवास वॉलीबाल, विश्वरतन शर्मा किकेट, एवं खिलाडी शिवम कहरा हॉकी, अन्वीक्षा तिवारी कराते, मधु विश्वकर्मा फेसिंग, योगिता रजक बास्केटबाल, गौरव साहू हैण्डबाल, अनमोल यादव नेटबाल, विकास राठौर वॉलीबाल, शिवम सिंह क्रिकेट को सम्मानित किया गया।

कृषक रत्न पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

जांजगीर-चांपा। संचालनालय कृषि रायपुर द्वारा वर्ष 2025 के लिए डॉ. खूबचंद बघेल, कृषक रत्न पुरस्कार के लिए कृषकों से 31 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित किए गए है। उप संचालक कृषि ने बताया कि आवेदन पत्र उप संचालक कृषि व वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं। निर्धारित प्रपत्र में पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र को उप संचालक कृषि व वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय में जमा कर सकते है। आवेदन पत्र के साथ सफलता की कहानी प्रस्तुत करेंगे।

OFFICE OF THE CHIEF MUNICIPAL OFFICER
NAGAR PANCHAYAT, NAI LEDRI
E-procurement Tender Notice, Main Portal : https://cgeprocurement.gov.in
NIT. No.52 न.पं./2025-26 Nai ledri/Dated 06.06/2025
Online bids (1th Call) are inivted for followings works up to 17.06.2025

S. No.	System Tender no.	Name of work	Probable Amount of Contract (in Lakh)	Earnest Money (In Rs.
3	169814	Supply of High skilled/skilled/Semi skilled/Unskilled Labour in Various Work of Nagar Panchayat Nai ledri (1th Call)	Rs 40.00	Rs.30000.00

The details can be viewed and downloaded online directly from Government of Chhattisgarh e-procurement System Portal (https:cgeprocurement.gov.in) from 06.06.2025 at 17:30Hours (IST) on wards. for more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.
Chief Municipal Officer
Nagar Panchayat Nai ledri

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छ.ग.)
मुख्य कार्यालय - साकेत भवन, आई.टी.आई. चौक, कोरबा (छ.ग.)
टी.पी.नगर जोन
फा.क्र./445, 446/ निर्माण (टी.पी.नगर)/2025/ कोरबा, दिनांक 04.06.2025
निविदा आमंत्रण की सूचना
लोक निर्माण विभाग से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुवल निविदा वेबसाईट से डाउनलोड कर मुहरबंद लिफाफा में निविदा आमंत्रित की जाती है :-
1. निर्धारित प्रारूप में निविदा प्रपत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि -दिनांक 26.06.2025 सायंकाल 3:00 बजे तक
2. निविदा खुलने की अंतिम तिथि -दिनांक 26.06.2025 सायंकाल 4:30 बजे तक

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि	धरोहर राशि
01	नगर पालिक निगम कोरबा अंतर्गत महापौर कार्यालय का जीर्णोद्धार/नवीनीकरण कार्य (मरम्मत एवं संधारण मद, प्रथम निविदा)	3,97,692/-	4,000/-
02	नगर पालिक निगम कोरबा अंतर्गत महापौर कार्यालय का विद्युत, पेंटिंग, सेनेटरी एवं एल्युमिनियम विभाजन का मरम्मत कार्य (मरम्मत एवं संधारण मद, प्रथम निविदा)	3,92,457/-	4,000/-

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाइट website :www.korbamunicipal.in एवं www.uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।
//स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें//
कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम, कोरबा (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)
शाखा- संपदा साकेत भवन, आई.टी.आई.चौक, कोरबा (छ.ग.)
दुरभाष : 07759-221288, फैक्स : 07759-221929, पो.बाक्स नं. 12 पिन कोड-495677
Website: www.korbamunicipal.in,Email : corporationkorba@gmail.com
फा.क्र./15/संपदा शाखा/भूखण्ड/2025/3190 कोरबा, दिनांक 27.05.25
आम सूचना
सर्व साधारण को इस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया जाता है कि श्री राजेश कुमार चौहान आ. स्व. एस.पी.चौहान को पश्चिमी कोरबा में भूखण्ड क्रमांक 09/ई.डब्ल्यू.एस. साईज 20'×40'=800 वर्गफुट को पंजीयन आबंटन शर्तो के तहत 30 वर्षीय लीज अवधि (17.12.1999 से 16.12.2029 तक) पर लीज हस्तांतरण से आबंटित किया गया है। उक्त भुखण्ड के एसाइमेंट लीज डीड पंजीयन (रजिस्ट्री) दिनांक 04.10.2019 को उप पंजीयक कार्यालय कोरबा में निष्पादन किया जा चुका है। आबंटिती श्री राजेश कमार चौहान आ. स्व. एस.पी.चौहान की मृत्यु दिनांक 11.10.2024 को हो जाने के उपरांत उक्त भूखण्ड क्रमांक-09/ई.डब्ल्यू.एस. साईज 20'×40'=800 वर्गफुट, पश्चिमी कोरबा को उनके विधिक वारिसान क्रमशः-1/श्रीमती पदमिनी चौहान पति स्व. राजेश कुमार चौहान (पत्नि), 2/ श्री आदित्य चौहान आ. स्व. राजेश कुमार चौहान (पुत्र) एवं 3/आयुषी चौहान आ. स्व. राजेश कुमार चौहान (पुत्री) के संयुक्त नाम पर उक्त भूखण्ड को नामांतरण (फौती दर्ज) करने हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति, लीज डीड की छायाप्रति संलग्न कर प्रस्तुत किया गया है।
अतः एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि पश्चिमी कोरबा में भूखण्ड क्रमांक-09/ई.डब्ल्यू.एस. साईज 20'×40'=800 वर्गफुट के आबंटिती श्री राजेश कुमार चौहान आ. स्व. एस.पी.चौहान की मृत्यु हो जाने के फलस्वरूप उक्त भूखण्ड को उनके विधिक वारिसान क्रमशः 1/श्रीमती पदमिनी चौहान पति स्व. राजेश कुमार चौहान (पत्नि), 2/ श्री आदित्य चौहान आ. स्व. राजेश कुमार चौहान (पुत्र) एवं 3/आयुषी चौहान आ. स्व. राजेश कुमार चौहान (पुत्री) के संयुक्त नाम पर नामांतरण (फौतीदर्ज) कराये जाने के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था/निकाय को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय प्रमाण सहित इस विज्ञापन प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा अपने प्रतिनिधि के माध्यम से दे सकते है। अवधि समाप्त होने के पश्चात् होने वाली आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एवं उक्त भूखण्ड को 1/श्रीमती पदमिनी चौहान पति स्व. राजेश कुमार चौहान (पत्नि), 2/ श्री आदित्य चौहान आ. स्व. राजेश कुमार चौहान (पुत्र) एवं 3/आयुषी चौहान आ. स्व. राजेश कुमार चौहान (पुत्री) के संयुक्त नाम पर नामांतरण (फौतीदर्ज) करने की कार्यवाही की जावेगी।
आयुक्त
नगर पालिक निगम
कोरबा (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)
शाखा- संपदा साकेत भवन, आई.टी.आई.चौक, कोरबा (छ.ग.)
दुरभाष : 07759-221288, फैक्स : 07759-221929, पो.बाक्स नं. 12 पिन कोड-495677
Website: www.korbamunicipal.in,Email : corporationkorba@gmail.com
फा.क्र./15/संपदा शाखा/भूखण्ड/2025/3188 कोरबा, दिनांक 27.05.25
आम सूचना
सर्व साधारण को इस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया जाता है श्री राजेश कुमार चौहान आ स्व. एस. पी. चौहान को पश्चिमी कोरबा में भूखण्ड कमांक 10/ईडब्ल्यूएस साईज 20'×40'=800 वर्गफुट को पंजीयन आबंटन शर्तो के तहत 30 वर्षीय लीज अवधि (17.12.1999 से 16.12.2029 तक) पर लीज हस्तांतरण से आबंटित किया गया है। उक्त भुखण्ड के एसाइमेट लीज डीड पंजीयन (रजिस्ट्री) दिनांक 04.10.2019 को उप पंजीयक कार्यालय कोरबा में निष्पादन किया जा चुका है। आबंटिती श्री राजेश कुमार चौहान आ. स्व. एस. पी. चौहान की मृत्यु दिनांक 11.10.2024 को हो जाने के उपरांत उक्त भूखण्ड कमांक-10/ई.डब्ल्यू.एस. साईज 20'×40'=800 वर्गफुट पश्चिमी कोरबा को उनके विधिक वारिसान क्रमशः-1/ श्रीमती पदमिनी चौहान पति स्व. राजेश कुमार चौहान (पत्नि), 2/ श्री आदित्य चौहान आ. स्व राजेश कुमार चौहान (पुत्र) एवं 3/ आयुषी चौहान आ. स्व. राजेश कुमार चौहान (पुत्री) के संयुक्त नाम पर उक्त भूखण्ड को नामांतरण (फौती दर्ज) करने हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति, लीज डीड की छायाप्रति सलग्न कर प्रस्तुत किया गया है।
अतः एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि पश्चिमी कोरबा में मूखण्ड कमांक-10/ईडब्ल्यू एस. साईज 20'×40'=800 वर्गफुट के आबंटिती श्री राजेश कुमार चौहान आ. रव. एस. पी. चौहान की मृत्यु हो जाने के फलस्वरूप उक्त भूखण्ड को उनके विधिक वारिसान कमश 1/ श्रीमती पदमिनी चौहान पति स्व. राजेश कुमार चौहान (पत्नि), 2/ श्री आदित्य चौहान आ. स्व. राजेश कुमार चौहान (पुत्र) एवं 3/आयुषी चौहान आ. स्व. राजेश कुमार चौहान (पुत्री) के संयुक्त नाम पर नामांतरण (फौतीदर्ज) कराये जाने के संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था / निकाय को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय प्रमाण सहित इस विज्ञापन प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा अपने प्रतिनिधि के माध्यम से दे सकते है। अवधि समाप्त होने के पश्चात होने वाली आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एवं उक्त भूखण्ड को 1/ श्रीमती पदमिनी चौहान पति स्व. राजेश कुमार चौहान (पत्नि), 2/ श्री आदित्य चौहान आ. स्व. राजेश कुमार चौहान (पुत्र) एवं 3/ आयुषी चौहान आ. स्व. राजेश कुमार चौहान (पुत्री) के संयुक्त नाम पर नामांतरण (फौतीदर्ज) करने की कार्यवाही की जावेगी।
आयुक्त
नगर पालिक निगम
कोरबा (छ.ग.)

न्यायालय सक्षम प्राधिकारी/अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पोंड़ी उपरोड़ा
जिला- कोरबा (छ.ग.)
// ईश्तहार//
क्रमांक/1198/अविअ/वाचक/2025
पोंड़ी उपरोड़ा दिनांक 29.05.2025
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मोसेस राही टोप्पो पिता वेल्साजर टोप्पो जाति उरांव निवासी दीपका तहसील दीपका जिला-कोरबा (छ.ग.) द्वारा ग्राम खोड़री प.ह.नं.37 रा.नि.मं. जटगा, तहसील पोंड़ी उपरोड़ा जिला-कोरबा (छ.ग.) स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 310/3 रकबा 0.142 हे. भूमि को औद्योगिक प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति हो तो वह दिनांक 13.06.2025 को न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर अपना दावा आपत्ति जो कुछ भी हो पेश कर सकते है। नियत अवधि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 29/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर लगाकर जारी किया गया।
सील सक्षम प्राधिकारी /अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पोंड़ी उपरोड़ा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

ईश्तहार/उद्घोष्णा
रा.प्र.क्र.अ-2/2024-25
ग्राम-मुक्ताराजा, प.ह.न.08
तहसील-सारागांव,
जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.)
एतद् द्वारा समस्त ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि ग्राम मुक्ताराजा प.ह.नं.08 तहसील-सारागांव जिला-जांजगीर-चांपा छ.ग. की नीचे अनुसूचित में उल्लेखित भूमि स्वामी आवेदक श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल पिता बिहारीलाल अग्रवाल निवासी ग्राम-बाराद्वार तहसील-बाराद्वार जिला-सक्ती (छ.ग.) के कृषि भूमि को औद्योगिक प्रयोजन व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त औद्योगिक प्रयोजन व्यपवर्तन किये जाने पर, जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वह अपना आपत्ति लिखित रूप में ईश्तहार के प्रकाशन दिनांक 13.06.2025 के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में स्वतः या किसी अधिवक्ता के माध्यम से आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
अनुसूची : खसरा नं. 147 रकबा 0.421 हेक्टेयर में से 0.248 हेक्टेयर भूमि लगान.... पैसे
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से आज दिनांक 29.05.2025 को जारी किया गया।
सील अनुविभागीय अधिकारी (रा.) चांपा

अनमोल वचन......

लोग चाहे जितना भी करीब हो,लेकिन हर, कोई अकेला है जिंदगी के सफर मैं

देनदारी का बोझ

हरियाणा के पंचकुला में खड़ी कार में देहरादून के परिवार के सात सदस्य मृत पाए गए जिनमें मित्तल परिवार के दंपति, मां-बाप व तीन बच्चे बताए जा रहे हैं। स्थानीय पुलिस के साथ उत्तराखंड पुलिस व क्राइम ब्रांच जांच में जुट गए हैं। मगर प्रथम दृष्ट्या मामला आत्महत्या का माना जा रहा है। बताया गया कि परिवार बागेर से लौट रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इनमें से एक बेसुध ने अस्पताल जाते हुए कर्ज की बात बार-बार दोहराई जिसने बाद में दम तोड़ दिया। पूछताछ में देहरादून पुलिस को मिले मृतक के मित्र ने बताया कि मित्तल को व्यापार में घाटा हुआ था और उस पर सात-आठ करोड़ का कर्ज था। कर्ज अदायगी न करने के चलते बैंक उसका फ्लैट व कुछ कारें जब्त की चुकी थीं। वह इन दिनों कैब चला कर गुजर कर रहा था।

गाड़ी में मिले सुसाइड नोट के विषय में पुलिस ने विस्तार से नहीं बताया। उधर केरल के वक्कोम में भी एक ही परिवार के चार सदस्यों की खुदकुशी का मामला सामने आया। बताया गया कि कर्ज के चलते माता-पिता व दो जवान बच्चे छत से लटक गए। घर से बरामद डायरी में कर्जदारों का ब्योरा मिला है। इस तरह की आत्महत्या की घटनाओं में तेजी आती जा रही है जिनमें अमूमन कर्ज की मोटी रकम चुकाने में सक्षम न रहने के कारण परिवार का मुखिया अपनी जिंदगी तो लेता ही है परिजनों को बकायेदारों व परिचितों के उलाहनों व जीवनयापन की दिक्कतों से बचाने के लिए यह निर्णय सामूहिक रूप से लिया जाता है। पहले भी लोग सामूहिक आत्महत्याएं करते रहे हैं।

कुछ धार्मिक कारणों से, अंधविश्वास या जादू-टोने के चक्कर में चमत्कारों के भरोसे जीवन लीला खत्म करते थे जबकि कई इज्जत के नाम पर जहरीला पदार्थ खा कर या फंदे पर लटक कर सामूहिक रूप से मर जाते थे। कुछ लोग कर्ज, निजी लोन या अनाप-शनाप ब्याज न चुका पाने के कारण भयभीत होकर मौत को अंतिम शरण मान बैठते हैं। समाज के भौतिकतावादी होने के ये दुष्परिणाम कहे जा सकते हैं। व्यापार में घाटा, मुनाफे में कमी, धोखाधड़ी या गलत प्लानिंग के चलते करोड़ों की देनदारी का बोझ लोगों को मानसिक रूप से रुग्ण कर देता है। देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में तमाम लोग अवसादग्रस्त हैं। असामान्य स्थितियों में वे संभल नहीं पाते। नकारात्मक विचारों के चलते जीवन-लीला समाप्त करने को ही अंतिम परिणति मान बैठते हैं। इस पर सरकारी तंत्र, विश्लेषकों, समाजविज्ञानियों और मनोविश्लेषकों को गंभीरतापूर्वक चिंतन करने की जरूरत है।

राशिफल

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज का दिन आपके लिए किसी मामले में जीत दिलाने वाला रहेगा। साथ ही आपको शासन व सत्ता का पूरा लाभ मिलेगा और आपका सम्मान बढ़ने से आपको खुशी होगी। किसी करीबी पर भरोसा करने से आपको समस्या हो सकती है सोच समझकर आगे बढ़ेंगे तो सब ठीक होगा। आज व्यापार कर रहे लोगों को काम में एक अच्छा उछाल देखने को मिलेगा।

वृष राशि- आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आप किसी रिश्तेदार से मिलने, उनके घर जायेंगे। महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद ख़ास रहने वाला है आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है। कम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्र तैयारी जारी रखेंगे और खूब मेहनत भी करेंगे।

मिथुन राशि- आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज कोई मित्र आप से मिलने आपके घर आ सकता है जिसे सामने देखकर आपको यकीं नहीं होगा, मित्र से कुछ निजी समस्याओं पर बात करके आपको हल्का महसूस होगा। बच्चे आपको कोई शुभ समाचार देंगे, जिससे परिवार के सभी सदस्य खुश होंगे।

कर्क राशि- आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आप अपने खर्च पर कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स को शिक्षकों का सपोर्ट मिलेगा। आने वाले समय में आपकी महत्वकांक्षाएं बढ़ेगी, जिसे पूरा करने के लिए आप कड़ी मेहनत करेंगे। आज हर कोई आपकी बातों से प्रभावित होगा।

सिंह राशि- आज आपका दिन आपके परिवार के लिए नई खुशियां लेकर आया है। आप ज्यादा समय परिवार वालों के साथ बिताएंगे और भविष्य की कुछ योजनाओं पर बात-चीत भी करेंगे। आपके लिए कोई फैसला करना थोड़ा मुश्किल होगा लेकिन आपको भाई का साथ मिलने से आसानी होगी।

कन्या राशि- आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। धार्मिक कार्यों के प्रति आस्था व विश्वास से आगे बढ़ेंगे। आज आप अपने कामों में जल्दबाजी दिखाने से बचेंगे तो आप आगे आने वाली किसी समस्या से बच जायेंगे। आपको परिवार से जुड़ी कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ेंगी, जो कि आप अच्छे से संभाल लेंगे।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज का दिन आपके लिए कामकाज के मामले में आलस्य की वजह से कमजोर रहेगा। आपके कामों की गति धीमी रहेगी, लेकिन मित्रों के साथ आपके संबंध बेहतर रहेंगे इसके साथ ही आप परिवार में सबको खुश रखने की कोशिश में लगे रहेंगे आपको अच्छा लगेगा। आज आपके अंदर त्याग और सहयोग की भावना रहेगी।

वृश्चिक राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपकी भावनाओं की कद्र होगी, लव मेट आज आपको कोई गिफ्ट भी दे सकते हैं। आपका कोई मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है जिसकी आप अपनी क्षमता के अनुसार मदद करेंगे। संतान को यदि आप कोई जिम्मेदारी देंगे, तो भी वह उन पर खरा उतरेंगे।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आप अपने कामों पर पूरा फोकस बनाए रखें और आपको एक से अधिक स्रोतों से लाभ होने के योग बन रहे हैं। आज कार्यक्षेत्र में आप कुछ नया अनुभव करेंगे इससे आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। आप काम को पूरा करने के लिए नए आईडियाज शामिल कर सकते हैं।

मकर राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर ढंग से काम करने की कोशिश करेंगे। मेहनत से किये गये काम में आपको सफलता मिलेगी। इस राशि के स्टूडेंट्स को नये प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा। बड़ों का सहयोग आपके करियर को आगे बढ़ाने में मदद करेंगे। लम्बे समय से रूके हुए सरकारी कामों का आज निपटारा हो जायेगा।

कुम्भ राशि- आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। साझेदारी में किसी डील को फाइनल करना आपके लिए अच्छा रहेगा और आपके औद्योगिक मामले सुधरेंगे। आज आपके दांपत्य जीवन में सुख समृद्धि बनी रहेगी। लवमेट आज लॉन्ग ड्राइव पर जा सकते हैं रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए निश्चित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको अपने व्यवसाय के कामों में कुछ कठिनाई तो होगी, लेकिन फिर भी आप पूरा करने की कोशिश में लगे रहेंगे। आज आपको संतान की संगति की ओर विशेष ध्यान देना होगा। आज आपका कोई सपना साकार हो सकता है जिसकी चाह आपको कई वर्षों से थी।

तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की डगर पर भारत

//डॉ. जयंतीलाल भंडारी//

हाल ही में 24 मई को नीति आयोग ने बताया कि जापान को पीछे छोड़ते हुए भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और आगामी 2.5 से 3 सालों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में रेखांकित होते हुए भी दिखाई दे सकेगा। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि 26 मई को दुनिया के ख्याति प्राप्त अरबपति निवेशक मार्क मोबियस ने कहा कि जापान को पछाड़ते हुए चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना भारत की एक अविसनीय उपलब्धि है।

वास्तव में भारत के विश्व की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में आगे बढ़ने के पीछे जो प्रमुख कारण हैं, उनमें 140 करोड़ की जनसंख्या, देश के मध्यम वर्ग, की बढ़ती क्रयशक्ति, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दूरदर्शी नेतृत्व और मजबूत आर्थिक नीतियां शामिल हैं। साथ ही इस समय भारत जिस ऊंची विकास दर और आर्थिक रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है, उससे भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनते हुए भी दिखाई देगा। गौरतलब है कि दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की डगर पर भारत को कई चुनौतियों से मुकाबला करते हुए आगे बढ़ना होगा। वैश्विक व्यापार तनाव, टैरिफ में हुई बढ़ोतरी, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान तथा बढ़ते हुए व्यापार घाटे जैसी चुनौतियों से भारत को निपटना होगा।

खासतौर से भारत के द्वारा व्यापार घाटे पर नियंत्रण के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ना जरूरी है। चीन से वष-प्रतिवर्ष तेजी से बढ़ते हुए आयातों को नियंत्रित करना होगा। निश्चित रूप से इस समय सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्यम (एमएसएमई) देश को तीसरी बड़ी आर्थिकी बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। जहां एमएसएमई देश से निर्यात बढ़ाने में नई भूमिका निभा सकते हैं, वहीं आयात नियंत्रण में भी मददगार हो सकते हैं। इस समय नये व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के लिए चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढ़ने के ऐतिहासिक अवसर भी हैं और ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उस झटके से एमएसएमई के उबारने के लिए जहां एक ओर सरकार के द्वारा एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा, वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा।

इस परिप्रेक्ष्य में यह बात महत्त्वपूर्ण है कि सरकार निर्यातकों को सहारा देने के लिए 2250 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन को तेजी से लागू करने और बिना रेहन के कर्ज दिए जाने की योजना बना रही है। निसंदेह देश को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में भारत की नई वैश्विक व्यापार रणनीति अहम होगी। भारत के द्वारा विगत 6 मई को ब्रिटेन के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते के बाद अब अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को 31 दिसम्बर 2025 तक पूर्ण किए जाने के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ना होगा। इस समय भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय कारोबार समझौते (बीटीए) के शुरुआती चरण के लिए वार्ता तेजी से आगे बढ़ रही है और 8 जुलाई से भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौता लागू हो सकता है। हाल ही में अमेरिका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने व्हाइट हाऊस में एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि पूरी दुनिया में भारत एक ऐसे पहले देश के रूप में सामने आया है, जो अमेरिका के साथ सबसे पहले टैरिफ पर प्रभावी वार्ता करते हुए द्विपक्षीय कारोबार समझौते को तेजी से अंतिम रूप देने की डगर पर आगे बढ़ रहा है। भारत के द्वारा ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इस्त्राइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप दिया जाना होगा।

इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिकी बनाने में देश से सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) की भूमिका भी प्रभावी होगी। इस समय पूरी दुनिया में भारत सेवा निर्यात की डगर पर छलांगे लगाकर आगे बढ़ रहा है। भारत को सेवा निर्यात की नई वैश्विक राजधानी के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय के द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का सेवा निर्यात करीब 387.5 अरब डॉलर का रहा है। भारत में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की तेजी से नई स्थापनाओं के कारण भी सेवा निर्यात तेजी से बढ़ रहा है।

हाल ही में नैसकॉम और जिनोव की और से जारी इंडिया जीसीसी, लैंडस्केप रिपोर्ट के मुताबिक जीसीसी के लिए भारत दुनिया का सबसे बड़ा हब बनते हुए दिखाई दे रहा है। फिलहाल देश में 1700 जीसीसी हैं जिनसे 20 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। देश में जीसीसी का बाजार आकार 2030 तक 8.4 लाख करोड़ रु पये का होगा। निसंदेह मई 2024 में दुनिया की चौथी बड़ी आर्थिकी बने भारत को आगामी ढाई से तीन साल में तीसरी बड़ी आर्थिकी बनाने के मद्देनजर सरकार के द्वारा अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए कुछ और बातों पर ध्यान दिया जाना होगा। अब टैरिफ संरक्षण की बजाय वैश्विक प्रतिस्पर्धा, अनुसंधान व विकास (आरएंडडी) पर भी ध्यान दिया जाना होगा। कृषि तथा श्रम सहित अन्य सुधारों के क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा। भारत में आत्मनिर्भरता की नीति और वोकल फॉर लोकल मंत्र को बढ़ाना होगा। इससे स्थानीय और घरेलू बाजार तेजी से आगे बढ़ेंगे।

जीएसटी में सरलता, निवेश के लिए अधिक अनुकूल माहौल, कुशल बुनियादी संरचना, लॉजिस्टिक लागत में कमी, गतिशक्ति योजना का तेज क्रियान्वयन, व्यवसाय करने की प्रक्रिया की सरलता जैसे रणनीतिक कदमों से भारत की आर्थिकी की चमक बढ़ाई जा सकेगी। इन सबके साथ-साथ इसी वर्ष 2025 के अंत तक अमेरिका और यूरोपीय संघ तथा अन्य प्रमुख देशों के साथ भारत के संभावित मुक्त व्यापार समझौतों के पूर्ण किए जाने पर पूरा ध्यान देना होगा। हम उम्मीद करें कि इन विभिन्न रणनीतिक प्रयासों से भारत वर्ष 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में रेखांकित होते हुए दिखाई देगा।

विषैली शराब से मौत का तांडव

//वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली//

पिछले पांच सालों में जहरीली शराब पीने से पंजाब में 176 लोगों की मौतें हो चुकी हैं। अपंग होने वाले भी कम नहीं रहे। महिलाएं भी इन आंकड़ों में हैं। 29 जुलाई, 2020 को विषैली शराब से पंजाब में पहली मौत की खबर अमृतसर जिले के एक गांव से आई थी किंतु अगस्त तक अमृतसर, गुरुदासपुर और तरनतारन के तीन जिलों में मौंतों का आंकड़ा 105 पहुंच गया था। तब विपक्षी दल शिरोमणि अकाली दल का आरोप था कि मंत्रियों और विधायकों के संरक्षण में राज्य में अवैध शराब का धंधा पनप रहा है। जवाब में तत्कालीन मुख्यमंत्री अमरेन्द्र सिंह ने याद दिलाया था कि 2012 व 2019 में ऐसी ही घटनाएं अकाली सरकार के दौरान हुई थीं।

अब आप सरकार के कार्यकाल में भी दो बार जहरीली शराब पीने से मौत का तांडव हो चुका है। पहली बार का कांड संगरूर में हुआ। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का यह गृह जिला है। उनके मंत्रिमंडल में दो अन्य मंत्री भी इसी जिले से आते हैं। मुख्यमंत्री के वहां पहुंचने पर गांव वालों का कहना था कि क्षेत्र में शराब का धंधा खुले आम चल रहा है। जहरीली शराब से मौतों का नवीनतम मामला अमृतसर के मजीठा का है, जहां जहरीली शराब पीने से पांच-छह गांवों के 27 लोगों की मौत हुई। मरने वालों में अधिकांश ईट-भट्ठों और खेतों में काम करने वाले मजदूर थे। सोलह संदिग्ध अपराधियों की गिरफतारी भी हो चुकी है। इनमें दिल्ली और लुधियाना के व्यापारी भी हैं।जहरीले शराब कांडों में सबसे पहले ढूंढ़ उन व्यापारी या आपूर्तिकर्ताओं की ही होती है, जो एलकोहल आदि रसायनों को अवैध रूप से जहरीली शराब बनाने वालों को बेच देते हैं। 29 जुलाई, 2020 के विषैली शराब कांड में मिथनॉल के तीन ड्रम लुधियाना के एक पेंट दुकानदार से लिए गए थे। मजीठा में भी मिथनॉल का उपयोग हुआ था। मिथनॉल, ईथनॉल से सस्ता पड़ता है। उसे हल्का या डायल्यूट करके शराब बनाई जाती है। ज्यादा किक वाली बनाने के लिए उसमें न जाने क्या-क्या डाल दिया जाता है। अमृतसर के सांसद गुरुजीत सिंह औजला का इस कांड पर कहना है कि अवैध शराब और ड्रग्स के धंधेबाजों की आबकारी और पुलिस विभाग वालों से सांठगांठ है। मजीठा में शराब पुलिस चौकी से केवल 200 मीटर की दूरी पर बेची जा रही थी किंतु मजीठा कांड के बाद सामाजिक संदभरे में खास बात यह हुई है कि विभिन्न आलेखों और विश्लेषणों से ऐसा नैरेटिव उभारा गया है कि सरकार आम जन या आम पियक्कड़ के हित में सस्ती शराब उपलब्ध कराए तो जहरीली शराब कांडों की त्रासदी पर लगाम लगेगी। मजीठा कांड पर सांसद औजला का कहना था कि सरकार की शराब के दाम बढ़ा कर मंहगी करने की नीति के कारण ही गरीब सस्ती और नकली शराब पीने को मजबूर हैं। पिछले पांच सालों में पंजाब में जहरीली शराब पीने से 176 लोगों की मौत हुई हैं। शराब की ज्यादा दुकान खोलने और उनको महंगी करने के पीछे सरकारी तर्क है कि इससे लोग नकली और जहरीली शराब नहीं पियेंगे और उनके पास सही शराब पीने का विकल्प रहेगा। शराब जब महंगी होगी तो कम लोग पियेंगे परंतु हो यह रहा है कि शराब चाहे कितनी ही महंगी हो जाए, उसकी खपत कम नहीं हो पा रही है।पंजाब ही नहीं, देश की सभी राज्य सरकारें शराब बेच कर राजस्व को अपनी आय का प्रमुख स्रोत बनाए हुए हैं। सात-आठ प्रतिशत ही नहीं, कहीं-कहीं तो राज्यों के राजस्व में बीस प्रतिशत तक इसका अंश होता है। शराब संदर्भित विषय राज्यों के हैं। शराब से भारत में पांच लाख तीस हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का राजस्व प्राप्त होता है। राज्य सरकारें शराब के प्रसार को कम से कमतर करने की बजाय ज्यादा से ज्यादा सरकारी लाइसेंसप्राप्त शराब की दुकान खोलने की होड़ में हैं। राजनीतिज्ञों से तो अपेक्षा ही नहीं है कि ईमानदारी से वे शराबबंदी का प्रयास करेंगे किंतु न्यायालयों से भी अब तक के अनुभवों को देखते हुए बहुत आशा नहीं है।

न्यायालयों से कई तरह की टिप्पणियां निकलती हैं परंतु शराब का प्रसार न करने की सीख न्यायालयों से शायद ही आई हो। बिहार की शराबबंदी पर वहां के उच्च न्यायालय की टिप्पणियां भी जगजाहिर हैं। तीस सितम्बर, 2016 में पटना हाई कोर्ट ने तो यहां तक आशंका जतलाई थी कि बिहार में शराबबंदी कार्यान्वित नहीं हो पाएगी। सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश भी एक बार शराब के केसों से न्यायालय के मुकदमों के बढ़ते अंबार पर चिंता व्यक्तकर चुके थे।कोरोना काल में मई, 2020 में शराब की दुकानों पर जब लोग एक दूसरे के कंधों पर चढ़ शराब लेने की होड़ में दिख रहे थे तब सुप्रीम कोर्ट का ही राज्य सरकारों को सुझाव था कि शराब की होम डिलीवरी पर विचार किया जाए। सरकार की होम डिलीवरी से शह पाकर अब माफिया भी घर-घर होम डिलीवरी कर रहे हैं। स्कूलों, धार्मिक स्थलों और बस्तियों के बीच में शराब की दुकानों और सरकारी ठेकों के विरोध होने पर गिरफ्तारियों पर भी त्वरित न्यायालयी न्याय नहीं मिले हैं।

बिहार में 5 अप्रैल, 2016 को शराबबंदी कानून लागू हो गया था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कहते हैं कि शराबबंदी लागू करना बापू का अनुसरण करना है। जहरीली शराब से मौतों और मुआवजे के संदर्भ में बिहार के मुख्यमंत्री अलग ही रुख रखते हैं। बिहार में दिसम्बर मध्य, 2022 में तीन दिनों के भीतर 66 लोगों की मौत हुई थी। तब विधानसभा में कठोर लहजे में उन्होंने अक्सर याद किए जाने वाला बयान दिया था कि जहरीली शराब पीकर मरने वालों से उन्हें कोई सहानुभूति नहीं है। जो पीएगा वो मरेगा। शराब से मौत पर कोई मुआवजा नहीं मिलेगा। उनके बयान पर भाजपा ने विपक्ष में रहते हुए इस्तीफा मांगा था।यह तो निर्विवाद है कि शराबबंदी से सामाजिक कल्याण को बल मिलेगा। वाहन दुर्घटनाओं, महिला हिंसा का बड़ा कारण शराब भी है। शराबियों के जमवाड़े स्कूलों तक में जाने पर भय पैदा कर रहे हैं। गरीबी और जहरीली शराब पीने वालों को जोड़ने वाले नैरेटिव के आगे और मजबूत होने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता किंतु ऐसे में इस हकीकत से भी कैसे आखें मूंदी जा सकती है कि कई बार स्थानीय स्तर पर घरों में ऐसी शराब बनाने वाले भी वंचित और गरीब ही होते हैं और कई बार जहरीली शराब पीकर मरने वालों में उन परिवारों के सदस्य भी होते हैं।

कोरोना के बढ़ते आंकड़ों से पूरी दुनिया चिंतित

कोरोना एक बार फिर से पैर फैल रहा है। कोरोना वायरस के मामले इन दिनों भारत, हांगकांग और सिंगापुर में तेजी से बढ़ रहे हैं। तेजी से बढ़ते कोरोना के आंकड़ों ने एक बार फिर से पूरी दुनिया को चिंतित कर दिया है। भारत में दिल्ली, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं।

भारत के करीब बीस राज्यों में कोरोना के मरीज पाए गए हैं। देश में कोरोना से संक्रमित मरीजों की कुल संख्या एक हजार पार कर चुकी है। केरल में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या सबसे ज्यादा है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार 6 लोगों की मौत हो चुकी है। चीन के वुहान शहर में दिसम्बर, 2019 जन्मा कोरोना दुनिया में तबाही मचा रहा है। यह वायरस सामाजिक-मानसिक रूप से भी खौफ पैदा कर रहा है। लगता है कि वायरस मानव का सहजीवी चुका है। वायरस के चलते मानव समाज पर कई प्रकार के दबाव बढ़ जाते हैं। वायरस का प्रभाव आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीति पर भी पड़ता है। जब कोई संक्रमण वैश्विक स्तर पर फैलता है, तो उसका असर अर्थव्यवस्था पर भी देखने को मिलता है। वायरस से संक्रमित व्यक्तियों को सामाजिक-मानसिक तनाव का सामना करना पड़ता है क्योंकि यह ऐसी बीमारी है जिससे लोग दूरियां बना लेते हैं। यह संक्रमण आपसी मेल मिलाप से बहुत तेजी से फैलता है।इसका असर रोजगार, कामगारों और बाजारों पर पड़ता है। कार्यबल में गिरावट आती है, जिसका प्रभाव उत्पादन क्षमता पर पड़ता है। काम का दवाब बढ़ता है। बढ़ते जलवायु परिवर्तन के कारण कई प्रकार के कीट-पतंगों और पशु-पक्षियों से संक्रमण पनप रहे हैं, जो मनुष्यों के लिए घातक सिद्ध हो रहे हैं। कोरोना वायरस को लेकर वैश्विक स्तर पर चिंताएं बनी हुई हैं। आखिर, क्या कारण है कि वायरस खत्म होने की बजाय बढ़ रहे हैं। बढ़ते वायरस की घटनाओं ने स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले समय में मानव विनाशक वायरस ही होगा।समाचारों के अनुसार वैज्ञानिक जैविक हथियारों के रूप में विभिन्न वायरसों को लैब में तैयार कर रहे हैं। कोविड-19, इबोला वायरस, जीका, पोलियो जैसे वायरस ने दुनिया को हिला कर रख दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा पूर्व में पनपे वायरस को वैश्विक स्वास्थ्य आपदा के रूप में घोषित किया जा चुका है, जिनमें कोविड-19, इबोला वायरस, जीका वायरस तथा पोलियो शामिल हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना के नये वैरिएंट को लेकर कहा है कि इससे घबराने की जरूरत नहीं है। फिर भी कोरोना के पुराने मंजर को कोई भूल नहीं पाया है।भारत में कोरोना को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। संक्रमण के प्रारंभिक उपचार के लिए परीक्षण प्रयोगशालाओं में उचित व्यवस्था की गई है। वर्तमान संक्रमण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने प्रयोगशाला परीक्षण पर विशेष ध्यान दिया है। दिल्ली में कोरोना के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए इलाज के लिए अस्पतालों में सुविधा उपलब्ध कराई गई हैं। कोरोना जैसे घातक संक्रमण की रोकथाम के लिए सरकार को व्यापक और समन्वित प्रयास करने की जरूरत है।

तस्वीरों की दुनिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में विभिन्न परियोजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन के अवसर पर संबोधित किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीनगर रेलवे स्टेशन से कश्मीर के लिए पहली श्रीनगर-कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।

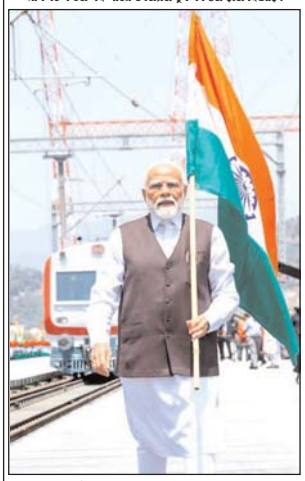

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में चिनाब रेल पुल का उद्घाटन करने के बाद हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लिए पुल के डेक पर पहुंचे।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग, नई दिल्ली में वाटर एटीएम का उद्घाटन किया, जबकि दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा भी मौजूद थे।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देहरादून में विकसित कृषि संकल्प अभियान के दौरान किसानों से बातचीत की।

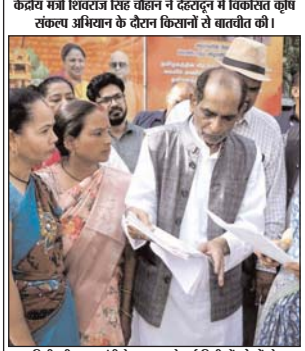

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नई दिल्ली में लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं।

कभी थे जिगरी दोस्त, अब बन गए जानी दुश्मन... मस्क और ट्रंप के रिश्तों में आई कड़वाहट की असली वजह क्या है

वाशिंगटन, 07 जून [एजेंसी]।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अरबपति एलन मस्क की जिगरी दोस्ती अब दुश्मनी में बदलती जा रही है। दोनों एक-दूसरे के जानी दुश्मन बनते दिख रहे हैं। ट्रंप प्रशासन से मस्क की विदाई, टैक्स बिल की बार-बार आलोचना, दोनों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर और फिर एक-दूसरे को धमकी देना किसी दुश्मनी से कम नहीं है। मस्क ने जब बार-बार टैक्स बिल की आलोचना की तो ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने मुझे निराश किया। इसके बाद दोनों में जुबानी जंग छिड़ गई। ट्रंप ने कहा कि मस्क को ट्रंप डिरेंजमेंट सिंड्रोम हो गया है। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति को व्हाइट हाउस में रहना याद आ रहा है। इसके बाद टेस्ला के सीईओ ने ट्रंप पर पलटवार करते हुए कहा कि मैं न होता तो ट्रंप चुनाव हार जाते। उन्होंने ट्रंप पर बेवफाई का आरोप लगाया। यहीं नहीं, मस्क ने कहा कि अब नई पार्टी बनाने का वक्त आ गया है। जबकि मस्क के प्रमुख समर्थक इयान माइल्स चियोंग ने उनके एक्स पोस्ट का समर्थन किया और ट्रंप पर महाभियोग चलाने की अपील की। इस बीच, ट्रंप ने धमकी दी कि वह मस्क की कंपनियों के सारे अनुबंध और सब्सिडी खत्म कर देंगे। उन्होंने ट्रंप की स्पेसएक्स रॉकेट कंपनी और उनकी स्टारलिंक इंटरनेट सेवाओं को दिए जाने वाले सरकारी अनुबंधों को बंद करने की धमकी दी।इसके जवाब में मस्क ने कहा कि उनकी स्पेसएक्स कंपनी ड्रैगन कैप्सूल को तुरंत वापस ले लेगी। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से यह कैप्सूल अंतरिक्षयात्रियों की आवाजाही और रसद की आपूर्ति में प्रयोग होता है। नासा अपने कई कार्यक्रमों के लिए भी स्पेसएक्स पर निर्भर है। हालांकि बाद में मस्क ने यह धमकी वापस ले ली।ट्रंप के साथ बिगड़े संबंधों का खामियाजा मस्क की कंपनी टेस्ला को भुगतना पड़ रहा है।

इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी के शेयरों में 14 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट से टेस्ला का मार्केट कैपिटल एक दिन में 150 अरब डॉलर कम हो गया।इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि मस्क के विरोध का कारण टैक्स बिल में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए उपभोक्ता टैक्स क्रेडिट को खत्म करने का प्रस्ताव है। इस पर इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी टेस्ला के सीईओ मस्क ने कहा कि वह इस बिल का विरोध करते हैं, क्योंकि यह संघीय घाटे को बढ़ाएगा। ट्रंप और मस्क के बीच मतभेद उस समय उभर कर सामने आ गए, जब टेस्ला के सीईओ ने 28 मई को अमेरिकी राष्ट्रपति के बिग ब्यूटीफुल टैक्स बिल की खुलकर आलोचना की। इसके कुछ देर बाद ही उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के शीर्ष सलाहकार के रूप में अपनी भूमिका छोड़ने की घोषणा कर दी। इसके साथ ही अमेरिकी राजनीति की सबसे चर्चित जोड़ी टूट गई। मस्क ने इस बुधवार को फिर ट्रंप के घरेलू एजेंडे से जुड़े बिल की आलोचना की और इसे घृणित करार दिया था। इसके बाद दोनों के बीच इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्मों एक्स और सोशल ट्रूथ के जरिये आरोप-प्रत्यारोपों का दौर शुरू हो गया।

गाजा की लड़ाई में इजरायल के चार सैनिकों की मौत, लगातार बमबारी में 16 फलस्तीनी भी मारे गए

वरुशलम, 07 जून [एजेंसी]।

गाजा में जारी लड़ाई में हमास के हमले में इजरायली सेना के चार सैनिकों की मौत हो गई और एक सैनिक घायल हुआ है। जबकि इजरायली सेना के कई स्थानों पर हमलों में 16 फलस्तीनी मारे गए हैं।इजरायली सेना ने इन लोगों के मारे जाने का कोई कारण नहीं बताया है। इस बीच गाजा में खाद्य सामग्री का वितरण कर रही संस्था जीएचएफ ने अपने पास उपलब्ध सारी सामग्री अभावग्रस्त लोगों में वितरित कर दी है। अमेरिका और इजरायल के समर्थन वाली यह संस्था गाजा में चार स्थानों पर सामग्री का वितरण कर रही थी, लेकिन गोलीबारी की लगातार हो रही घटनाओं में 80 लोगों के मारे जाने के बाद संस्था ने बुधवार को काम बंद कर दिया था। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के दबाव के चलते अब फिर से गाजा में खाद्य सामग्री के वितरण के लिए इस संस्था को तैयार करने की कोशिश हो रही है।

लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिणी भाग में हिजबुल्ला के प्रभाव वाले उपनगर में शुक्रवार को इजरायल ने बमबारी की। दाहिये नाम के इस उपनगर में थोड़ी-थोड़ी देर में 10 बार हमले किए गए। हमले से करीब 90 मिनट पहले इजरायली विमानों ने इलाका खाली करने के पर्चे गिराए थे। इजरायल ने कहा है कि हिजबुल्ला की ड्रोन फैक्ट्री और उनके भंडार गृह को हमले में निशाना बनाया गया है। यह कार्रवाई इजरायल की सुरक्षा को ध्यान में रखकर की गई है। इजरायली कार्रवाई पर लेबनान सरकार ने कड़ा विरोध जताया है और संघर्षविराम संधि को खत्म करने की चेतावनी दी है।

जम्मू-कश्मीर में पीएम मोदी की टिप्पणी से तिलमिलाया पाकिस्तान, पहलगाम हमले पर कही ये बात

इस्लामाबाद। जम्मू-कश्मीर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टिप्पणियों से पाकिस्तान फिर तिलमिला गया है और उसने टिप्पणियों पर निराशा व्यक्त की है। प्रधानमंत्री ने कटड़ा में एक रैली के दौरान पहलगाम आतंकी हमले के जरिये पाकिस्तान पर इंसानियत और कश्मीरियत को निशाना बनाने का आरोप लगाया। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने मोदी की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वह प्रधानमंत्री की आधारहीन और भ्रामक टिप्पणियों को दृढ़ता से खारिज करता है।

10 साल बाद कनाडा जाएंगे पीएम मोदी, मार्क कार्नी ने भेजा खास न्योता

नईदिल्ली, 07 जून [एजेंसी]।

इस महीने की 15-17 जून के बीच कनाडा के कैनानास्किस में दुनिया के सबसे अमीर सात लोकतांत्रिक देशों के संगठन जी-7 की शिखर बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी भी हिस्सा लेंगे। बैठक में हिस्सा लेने के लिए कनाडा के नए पीएम मार्क जे कार्नी ने पीएम मोदी को फोन पर बात की और उन्हें आमंत्रित किया।पीएम मोदी ने सहर्ष उनका आमंत्रण स्वीकार किया सोशल मीडिया के जरिए बैठक में हिस्सा लेने की सूचना दी। बैठक के दौरान पीएम मोदी और पीएम कार्नी के बीच मुलाकात भी होगी। यह बैठक तकरीबन दो वर्षों से दोनो देशों के रिश्तों में आये तनाव को खत्म कर सकता है। इसके पहले पीएम मोदी ने वर्ष 2015 में कनाडा की यात्रा की थी।वर्ष 2019 से जी-7 की हर बैठक में पीएम मोदी को विशेष तौर पर आमंत्रित किया जाता रहा है और वह हर बार इसमें हिस्सा भी लेते रहे हैं। एक दिन पहले तक कांग्रेस की ओर से मुद्दा बनाया जा रहा था कि भारत को आमंत्रित नहीं किया गया है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि कि कनाडा के पीएम मार्क जे कार्नी से बात करके बहुत खुशी हुई। उन्हें हाल ही में संपन्न चुनाव पर बधाई दी और इस महीने कैनानास्किस में होने

वाली जी-7 सम्मेलन में आमंत्रित करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। दो जीवंत लोकतांत्रिक देश जो अपने देशों की जनता के संबंधों से जुड़े हैं, भारत और कनाडा के संबंधों में जोश भरने, परस्पर आदर व हितों के लिए साथ साथ काम करेंगे। सम्मेलन के दौरान हमारी मुलाकात को लेकर मैं उत्सुक हूं।पीएम मोदी का यह संदेश इस बात की तरफ इशारा करता है कि कनाडा की नई सरकार का रवैया पूर्व जस्टिन ट्रुडो सरकार से अलग है। खालिस्तानी समर्थकों ने कनाडा की सरकार से आग्रह किया था कि जी-7 बैठक के लिए भारतीय पीएम को आमंत्रित नहीं किया जाए। इसके बावजूद कार्नी ने मोदी को आमंत्रित करके यह साफ किया है कि वह दोनों देशों के मौजूदा तनावपूर्ण रिश्तों को खत्म करना चाहते हैं। इसके पहले जब विदेश मंत्री एस जयशंकर और कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के बीच भी टेलीफोन पर द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने को लेकर बात हुई थी।

जयशंकर और आनंद के बीच भारत व कनाडा के द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को लेकर भी बात हुई थी। वैसे कनाडा में भारत विरोधी खालिस्तान समर्थकों का समूह कमजोर नहीं हुआ है और कार्नी के पीएम बनने के बाद भी खालिस्तान समर्थकों की गतिविधियां जारी हैं। भारत और कनाडा के आपसी संबंध सितंबर, 2023 में तब खराब होने शुरू हुए जब पूर्व पीएम ट्रुडो ने अपने संसद में यह आरोप लगाया कि भारतीय एजेंसियां कनाडाई नागरिकों की हत्या करा रही हैं।

इस संबंध में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या भारतीय एजेंसियों के एजेंटों से कराने का आरोप लगाया गया। इसके बाद दोनों देशों में कूटनीतिक तनाव इस हद तक खराब हो गया कि एक दूसरे के कई राजनयिकों को निष्कासित कर दिया गया।भारत ने कनाडा के उच्चायोग में काम करने वालों की संख्या दो तिहाई से भी कम कर दिया है। ट्रुडो सरकार ने बाद में भारत सरकार के शीर्ष पदाधिकारियों पर आरोप लगाये कि वह कनाडा में हिंसा कराने के षडयंत्र से जुड़े हुए हैं।

मोहम्मद यूनुस के बुरे दिन शुरू! 123 हत्याओं को लेकर इंटरनेशनल कोर्ट में घसीटेगा मानवाधिकार समूह

नईदिल्ली, 07 जून [एजेंसी]।

मानवाधिकार समूह राइट्स एंड रिस्क एनालिसिस ग्रुप (आरआरएजी) ने शुक्रवार को दावा किया कि मोहम्मद यूनुस के शासन के दौरान 123 अवामी लीग सदस्य लक्षित हत्या के शिकार हुए। इनमें से 41 की हत्या तालिबान शैली में गला काटकर की गई।आरआरजी के निदेशक सुहास चकमा ने कहा अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस और गृह मामलों के सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी, अवामी लीग के सदस्यों की हत्या के लिए उत्तरदायी हैं। वे लक्षित हत्याओं के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) का रुख करेंगे, क्योंकि यह 2007-2008 में केन्या में चुनाव के बाद की हिंसा के संदर्भ में किए गए मानवता के खिलाफ अपराधों के समान है, जिसकी जांच आईसीसी द्वारा की गई थी।नई दिल्ली स्थित मानवाधिकार समूह ने शुक्रवार को जारी रिपोर्ट बांग्लादेश अवामी लीग और इसके सहयोगी संगठनों के लिए सदस्यता के लिए संगठित हत्या में कहा कि पांच अगस्त 2024 से 30 अप्रैल 2025 के बीच अवामी लीग और इसके सहयोगी संगठनों के 123 सदस्य लक्षित हत्या के शिकार हुए।

ये हत्याएं तो बस छोटी सी संख्या है, क्योंकि अवामी लीग के कई सदस्यों की हत्याओं की खबरें स्थानीय मीडिया में नहीं आईं।बच्चों, महिलाओं और दिव्यांगों को भी नहीं बख्शा गया। उन्होंने कुछ मामलों के उदाहरण भी दिए। उन्होंने कहा कि 17 दिसंबर 2024 को मोहम्मद यूनुस के कथित समर्थकों ने मोहम्मद मसूद रणा और 12 वर्षीय मोहद रियान की हत्या कर दी। यह हत्या इसलिए की गई, क्योंकि उन्होंने अपने फेसबुक पेज पर जाय बांग्ला का नारा लिखा था। पांच दिसंबर 2024 को नमाज अदा करते समय अरीना बेगम की सिर्फ इसलिए हत्या कर दी गई, क्योंकि उनका बेटा काजलदिघी कालियागंज संघ के छात्र लीग का अध्यक्ष था और छिपकर रह रहा था।आठ सितंबर 2024 को राजशाही विश्वविद्यालय छात्र लीग के पूर्व नेता अब्दुल अल मसूद की उस समय हत्या कर दी गई, जब वे दवा खरीदने गए थे। वह दिव्यांग थे। 15 जुलाई से पांच अगस्त के बीच 1,400 लोगों की हत्या की गई, जिनमें अवामी लीग के सदस्य भी शामिल थे, लेकिन उनके रिश्तेदार मानवाधिकार उच्चायुक्त के कार्यालय के समक्ष गवाही नहीं दे सके, क्योंकि उन्हें हत्या का डर था। स्थिति और खराब हो गई, क्योंकि अंतरिम सरकार ने पुलिस को पिछले साल जुलाई-अगस्त में हुए विद्रोह में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज करने या गिरफ्तार करने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।

गांधी परिवार ने पाकिस्तान को खून और पानी पिलाया सिंधु जल समझौते पर निशिकांत दुबे ने कांग्रेस को घेरा

नई दिल्ली। गांधी परिवार की कार्यशैली पाकिस्तान को लाभ पहुंचाने वाली होने का आरोप लगाकर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। कहा, पाकिस्तान के साथ हुआ सिंधु जल समझौता (आइडब्ल्यूटी) इसका स्पष्ट उदाहरण है। इस समझौते के तहत भारत के हितों को चोट पहुंचाते हुए पाकिस्तान को आर्थिक और जल संबंधी लाभ दिए गए।एक्स पर पोस्ट अपने बयान में दुबे ने कहा, समझौते का प्रपत्र पढ़ने पर पता चलता है कि गांधी परिवार ने पाकिस्तान रूपी सांप को आजादी के बाद 77 साल तक दोश का पानी और खून पिलाया, जबकि बदले में उसने भारतीयों की जान ली। समझौते के तहत तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने भारत का 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान दिया, साथ ही पाकिस्तान को बांध और नहरें बनाने के लिए सैकड़ों करोड़ रुपये की धनराशि भी दी। यह धनराशि वर्तमान मूल्य के अनुसार करीब 14 हजार करोड़ रुपये के बराबर थी।इसके बदले में भारत को दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद झेलना पड़ रहा है। यह सब गांधी परिवार की पाकिस्तान परस्त नीतियों के चलते हुआ, क्योंकि कांग्रेस और उसके द्वारा समर्थित सरकारों ने इस समझौते पर पुनर्विचार की कभी जरूरत ही नहीं समझी।सिंधु, झेलम और चेनाब नदियों का पानी पाकिस्तान को देने के लिए हुआ था। 22 अप्रैल को पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद मोदी सरकार ने इस समझौते को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित करने का फैसला किया।

तत्काल टिकट फ्रॉड रोकने के लिए IRCTC का बड़ा एक्शन 2.5 करोड़ से ज्यादा अकाउंट बैन, 3 लाख PNR रडार पर

नईदिल्ली, 07 जून [एजेंसी]।

तत्काल टिकट बुक करने वाले लोगों की एक शिकायत बेहद आम है कि बुकिंग शुरू होने के लिए 1 मिनट के अंदर ही सारी टिकटें बिक जाती हैं। आईआरसीटीसी ने अब इस शिकायत के बाद बड़ा एक्शन लिया है। आईआरसीटीसी ने ऐसे करीब 2.5 करोड़ यूजर आईडी को ब्लॉक कर दिया है, जिन पर तत्काल बुकिंग फ्रॉड में शामिल होने का शक था। इतना ही नहीं, करीब 20 लाख आईडी को वैरिफिकेशन के तहत रडार पर रखा गया है। आईआरसीटीसी लंबे समय से इन पर एक्शन लेने की तैयारी कर रही थी।टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, टिकट धोखाधड़ी पर लगाम लगाने के लिए आईआरसीटीसी लगातार बुकिंग पर नजर बनाए हुए थी। बुकिंग विंडो ओपन होने के 5 मिनट के भीतर

चुक होने वाले 2.9 लाख पीएनआर को भी जांच के दायरे में रखा गया है। आईआरसीटीसी ने करीब 6800 डिस्पोजेबल ईमेल डोमेन को ब्लॉक कर दिया है, जिनका इस्तेमाल बुकिंग फ्रॉड में किया जा रहा था। आईआरसीटीसी ने पाया कि जालसाजों ने तत्काल बुकिंग कर उसी टिकट पर यात्रियों को महंगे दामों पर बेचा।आईआरसीटीसी ने माना है कि तत्काल टिकटों के तुरंत खत्म हो जाने का मसला केवल कुछ रूट और ट्रेनों में ही देखने को मिलता है। अधिकारियों ने कहा कि यात्रियों की समस्या के समाधान के लिए ज्यादा ट्रेनें चलाने और क्षमता बढ़ाने पर प्रयास भी किया जा रहा है।आईआरसीटीसी ने अपने प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग रोकने के लिए सिस्टम में भी कई बदलाव किए हैं। 22 मई 2025 को सुबह 10 बजे एक मिनट में 31,814 टिकटों को बुकिंग हुई, तो अब तक प्रति मिनट बुकिंग का एक रिकॉर्ड है।

टेस्ला की सवारी नहीं करेंगे ट्रंप!

मस्क से विवाद के बीच बनाया अपनी कार बेचने का मन, लगातार बढ़ रहा विवाद

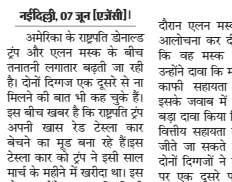

नईदिल्ली, 07 जून [एजेंसी]।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क के बीच तनातनी लगातार बढ़ती जा रही है। दोनों दिग्गज एक दूसरे से ना मिलने की बात भी कह चुके हैं। इस बीच खबर है कि राष्ट्रपति ट्रंप अपनी खास रेड टेस्ला कार बेचने का मूड बना रहे हैं।इस टेस्ला कार को ट्रंप ने इसी साल मार्च के महीने में खरीदा था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि किसी प्रकार की छूट नहीं ली है। क्योंकि ऐसा करने के बाद उनपर लाभ लेने का आरोप लग सकता था। इस टेस्ला कार को ट्रंप ने 80,000 अमेरिकी डॉलर में खरीदा था। ये रेड टेस्ला कार पिछले कई हफ्ते से व्हाइट हाउस में ही खड़ी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति इस कार से छुटकारा पाने का विचार कर रहे हैं। ये कार भी एक तरीके से दोनों के बीच के तनाव का प्रतीक बनते जा रही है। दरअसल, दोनों दिग्गजों के बीच ये विवाद उस समय शुरू हुआ जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ओवल ऑफिस में एक टीवी प्रसारण के दौरान एलन मस्क की जमकर आलोचना कर दी। उन्होंने कहा कि वह मस्क से निराश हैं। उन्होंने दावा कि मस्क की उन्होंने काफी सहायता की थी।वहीं, इसके जवाब में एलन मस्क ने बड़ा दावा किया कि बिना किसी वित्तीय सहायता के चुनाव नहीं जीते जा सकते हैं। इसके बाद दोनों दिग्गजों ने सोशल मीडिया पर एक दूसरे पर तीखे हमले करने शुरू कर दिए।बताया जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ये टिप्पणी ऐसे समय पर आई है, जब माना जा रहा था कि दोनों के बीच निजी तौर पर बातचीत करने का कार्यक्रम था। हालांकि, ट्रंप के इस बयान के बाद माना जा रहा है कि अब ये इस बैठक का आयोजन नहीं किया जाएगा।डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मुझे उनसे बात करने में कोई विशेष रुचि नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि वह एक ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने अपना दिमाग खो दिया है।

अस्पताल में बेहोशी की हालत में महिला के साथ किया दुष्कर्म नर्सिंग स्टाफ पर लगा आरोप, अलवर से चौंकाने वाला मामला

जयपुर। राजस्थान के अलवर जिले से एक शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां अस्पताल में भर्ती एक महिला के साथ नर्सिंग स्टाफ ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया। महिला ने होश में आने के बाद अपने पति को सब कुछ बताया। उसके पति ने पुलिस में मामला दर्ज कराया है। मामला एमआईए थेत्र स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज का है। यहां एक 32 वर्षीय महिला टयूब के ऑपरेशन के लिए अस्पताल में भर्ती हुई थी। पुलिस ने बताया कि महिला 2 जून

को भर्ती हुई थी। पुलिस के अनुसार, 4 जून को महिला का ऑपरेशन हुआ और फिर उसे ऑपरेशन थिएटर से आईसीयू में ले जाया गया। गार्ड उसे कमरे से बाहर ले गया और आरोप है कि इसके बाद नर्सिंग स्टाफ के एक मेंबर ने महिला के साथ दुष्कर्म किया।महिला जब अगले दिन होश में आई, तो उसने अपने पति को इसके बारे में बताया। पति की शिकायत के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज के डीन असीम दास ने बताया कि मामले में प्रशासनिक जांच टीम गठित कर दी गई है।

अब पिकनिक पर स्टूडेंट्स के साथ जाएंगे पुलिसकर्मी, गुजरात के डीजीपी का बड़ा फैसला, स्कूलों को करना होगा ये काम

नईदिल्ली, 07 जून [एजेंसी]।

गुजरात के स्कूलों से अब अगर छात्र-छात्राओं का ग्रुप पिकनिक या टूर के लिए जाएगा, तो उनके साथ सुरक्षा के लिए दो पुलिसकर्मी भी जाएंगे। ये आदेश गुजरात के डीजीपी विकास सहाय ने नए सुरक्षा नियमों के तहत जारी किया है।इस नए नियम के अनुसार, बच्चों के आउटिंग के लिए दो वर्दीधारी पुलिसकर्मी मौजूद रहेंगे। गर्ल्स स्टूडेंट के लिए महिला पुलिसकर्मी साथ जाएंगी। इस निर्णय का गुजरात के स्कूलों और अभिभावकों ने स्वागत किया है। अभिभावकों का मानना है कि इससे उनकी सुरक्षा संबंधी चिंताएं खत्म हो जाएंगी। हालांकि यह नियम सुनने में जितना आकर्षक लगता है, उतना ही प्रैक्टिकल है, इस पर कुछ लोगों को संदेह भी है। दरअसल डीजीपी ने राज्य शिक्षा विभाग

के प्रमुख सचिव को आदेश भेजकर इस नियम के तुरंत इंप्लीमेंटेशन के लिए कहा है। स्कूलों को अपनी ट्रिप, टूर या पिकनिक को पहले ही शेड्यूल करना होगा और लोकल पुलिस स्टेशन को इसकी जानकारी देकर उनके कॉर्डिनेशन करना पड़ेगा। भरूच में एमिटी स्कूल सीबीएसई की प्रिंसिपल रीना तिवारी का मानना है कि इस नए नियम से ट्रिप प्लानिंग में देरी हो सकती है और कई स्कूल टूर के लिए डिमोटिवेट भी हो सकते हैं। हालांकि अभिभावक इससे इत्तिफाक नहीं रखते। अभिभावकों का मानना है कि इस नियम से शिक्षा अधिकारियों और पुलिस के बीच मजबूत सहयोग तो तैयार होगा ही, छात्रों की चिंता से वह मुक्त भी हो जाएंगी।

दरअसल इसके पहले तक हर स्कूल टूर से पहले अभिभावकों से एक अंडरटेकिंग पर हस्ताक्षर करवाता था, जिससे किसी दुर्घटना की स्थिति में स्कूल पर दोष नहीं लगता था। गुजरात पुलिस के पास मैनपावर की कमी इस नियम के इंप्लीमेंटेशन में बाधा भी बन सकती है। दरअसल गुजरात में पुलिस के पास मैनपावर की भयंकर कमी है। एक आंकड़े के मुताबिक, गुजरात में 100,000 लोगों पर 127.82 पुलिसकर्मी हैं, जबकि यह 174.39 होना चाहिए। गुजरात पुलिस के पास अपनी जरूरत का सिर्फ 73 फीसदी मैनपावर है।

राजस्थान में रिश्तेदार ने खोली पोल पकड़ में आया फर्जी एमबीबीएस स्टूडेंट

जोधपुर। राजस्थान में एक रिश्तेदार की शिकायत पर फर्जी एमबीबीएस एम्स स्टूडेंट गिरफ्तार किया गया है। उसने नीट यूजी परीक्षा 2020 में अपने परिचित को बिठाकर परीक्षा पास की थी।आवेदनकर्ता सचिन ने खुद की जगह रिश्तेदार अजीत गोरा का फोटो लगाकर परीक्षा दिलवाई और अच्छे नंबरों से पास हुआ, इसके बाद उसका एम्स जोधपुर में एमबीबीएस के लिए चयन हो गया। एक अन्य रिश्तेदार की शिकायत पर यह मामला प्रकाश में आया। राजस्थान के चोपू थाना में मुकदमा दर्ज हुआ। जांच के तहत जोधपुर में एम्स में एमबीबीएस कर रहे सचिन गोरा को गिरफ्तार किया गया है।

सारे डॉक्यूमेंट थे, फिर भी वापस भेज दिया पाकिस्तानी नागरिक को जॉर्जिया में नहीं मिली एंट्री

प्रताड़ित करने का लगाया आरोप

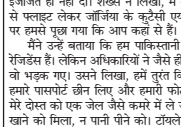

नईदिल्ली, 07 जून [एजेंसी]।

पाकिस्तान के एक नागरिक को जॉर्जिया में घुसने नहीं देने का मामला सामने आया है। पाकिस्तानी शख्स ने खुद सोशल मीडिया साइट रेडिट पर इसके बारे में जानकारी दी है। उसने लोगों को चेतावनी देते हुए लिखा कि अगर आप पाकिस्तानी हैं, तो कभी जॉर्जिया मत जाना। शख्स ने बताया कि वह अबू धाबी में रहकर काम करता है और उसके पास यूएई का रेजिडेंस परमिट भी है। उसने रिटर्न फ्लाइट, होटल और कार रेंटल की प्री बुकिंग की हुई थी और ट्रैवल इंश्योरेंस भी ले रखा था। उसने कहा कि सिर्फ उसके पैसे बर्बाद नहीं हुए, बल्कि मानसिक प्रताड़ना भी मिली है। दरअसल जॉर्जिया में यूएई के नागरिकों को वीजा फ्री एंट्री मिलती है। इसके अलावा जॉर्जिया यूएई के वीजा होल्डर और रेजिडेंस परमिट रखने वाले लोगों को भी 90 दिनों के लिए एंट्री करने की अनुमति देता है। लेकिन शख्स ने बताया कि जैसे ही अधिकारियों ने पाकिस्तान का नाम सुना, उन्हें देश में घुसने की इजाजत ही नहीं दी। शख्स ने लिखा, मैं और मेरा दोस्त अबु धाबी से फ्लाइट लेकर जॉर्जिया के कुटैसी एयरपोर्ट पर पहुंचे। एयरपोर्ट पर हमसे पूछा गया कि आप कहां से हैं।

मैंने उन्हें बताया कि हम पाकिस्तानी नागरिक हैं और यूएई के रेजिडेंस हैं। लेकिन अधिकारियों ने जैसे ही पाकिस्तान का नाम सुना, वो भड़क गए। उसने लिखा, हमें तुरंत किनारे आने को कहा गया। हमारे पासपोर्ट छीन लिए और हमारी फोटो खींचने लगे। मुझे और मेरे दोस्त को एक जेल जैसे कमरे में ले जाया गया और वहां न हमें खाने को मिला, न पानी पीने को। टॉयलेट भी बहुत गंदा था। तभी एक महिला आई और उसने कहा कि आप जॉर्जिया में प्रवेश नहीं कर सकते। मैंने वजह पूछी, तो उन्होंने जवाब देने से मना कर दिया। शख्स ने बताया कि जब उसने अपने फोन से यूएई एंबेसी को कॉल करने की कोशिश की, तो उसका फोन छीनने की कोशिश की गई। शख्स ने कहा कि वह अबू धाबी में एक सीनियर पोजिशन पर हैं और उसका ट्रैवल रिकॉर्ड भी बहुत अच्छा है। उसके खिलाफ कोई क्रिमिनल केस भी नहीं है। उसने बताया कि उन दोनों को उसी कमरे में करीब 12 घंटे तक रखा गया।

प्रकृति, इंजीनियरिंग और पर्यटन का अद्भुत संगम है झारखंड का मैथन डैम

मैथन डैम की यात्रा के लिए अक्टूबर से मार्च का समय सबसे उपयुक्त है, जब मौसम सुखद और ठंडा होता है। मानसून के दौरान (जुलाई से सितंबर) झील और आसपास का क्षेत्र हरे-भरे हो जाते हैं, लेकिन भारी वर्षा के कारण फिसलन और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं। मैथन डैम, झारखंड के धनबाद जिले में स्थित एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, इंजीनियरिंग कौशल और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। यह डैम बराकर नदी पर स्थित है और झारखंड तथा पश्चिम बंगाल की सीमा पर स्थित है।

ऐतिहासिक और तकनीकी विशेषताएँ

निर्माण और उद्देश्य- मैथन डैम का निर्माण 1953 से 1957 के बीच हुआ था और इसका उद्देश्य बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई और विद्युत उत्पादन था। यह डैम भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के स्वप्नों में से एक था।

आकार और क्षमता- डैम की लंबाई लगभग 4,789 मीटर और ऊँचाई 50 मीटर है। इसका जलाशय 65 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है, जो मैथन झील के नाम से जाना जाता है।

विद्युत उत्पादन- मैथन डैम में एशिया का पहला भूमिगत जलविद्युत संयंत्र स्थित है, जो 60 मेगावाट की क्षमता से बिजली उत्पन्न करता है।

पर्यटन आकर्षण

मैथन झील- झील की शांत जलराशि और हरे-भरे परिवेश इसे नौका विहार, मछली पकड़ने और पक्षी अवलोकन के लिए आदर्श बनाते हैं।

डियर पार्क-डैम के पास स्थित डियर पार्क में पर्यटक हिरणों को प्राकृतिक वातावरण में देख सकते हैं।

कल्याणेश्वरी मंदिर- डैम से लगभग 6 किलोमीटर दूर स्थित यह मंदिर माँ काली को समर्पित है और धार्मिक आस्था का केंद्र है।

पिकनिक और फोटोग्राफी- मैथन डैम का सुंदर परिदृश्य इसे पिकनिक और फोटोग्राफी के लिए उपयुक्त स्थान बनाता है, विशेषकर सूर्यास्त के समय।

कैसे पहुँचें

सड़क मार्ग- मैथन डैम, धनबाद से लगभग 48 किलोमीटर और आसनसोल से 24 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

रेल मार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन बराकर है, जो डैम से लगभग 8 किलोमीटर दूर है।

वायु मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा रांची में स्थित है, जो डैम से लगभग 194 किलोमीटर दूर है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मैथन डैम की यात्रा के लिए अक्टूबर से मार्च का समय सबसे उपयुक्त है, जब मौसम सुखद और ठंडा होता है। मानसून के दौरान (जुलाई से सितंबर) झील और आसपास का क्षेत्र हरे-भरे हो जाते हैं, लेकिन भारी वर्षा के कारण फिसलन और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

यात्रा सुझाव

डैम क्षेत्र में प्रवेश के लिए अनुमति आवश्यक हो सकती है; यात्रा से पहले स्थानीय अधिकारियों से जानकारी प्राप्त करें।

डैम के किनारे फिसलन हो सकती है; उचित जूते पहनें और बच्चों पर विशेष ध्यान दें।

स्थानीय संस्कृति और पर्यावरण का सम्मान करें; कचरा न फैलाएँ और वन्यजीवों को परेशान न करें।

मैथन डैम न केवल झारखंड का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, बल्कि यह भारत के इंजीनियरिंग कौशल और प्राकृतिक सौंदर्य का भी प्रतीक है। यदि आप प्रकृति, इतिहास और रोमांच का संगम अनुभव करना चाहते हैं, तो मैथन डैम की यात्रा अवश्य करें।

चश्मा पहनने वाली महिलाएं ऐसा करें मेकअप, दिखेंगी आकर्षक

चश्मा पहनने वाली महिलाओं को सबसे बड़ी दिक्कत ये होती है कि चश्मे के कारण उनका मेकअप ढंग से नहीं दिख पाता है। ऐसे में सही मेकअप तकनीकों का उपयोग करके आप न केवल अपनी आंखों को सुरक्षित रख सकती हैं, बल्कि उन्हें और भी आकर्षक बना सकती हैं।

इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी मेकअप टिप्स देंगे, जिनसे आप बिना किसी चिंता के चश्मा पहनकर भी खूबसूरत दिख सकती हैं।

सही फाउंडेशन चुनें

फाउंडेशन चुनते समय ध्यान रखें कि वह आपकी त्वचा के प्रकार और रंग से मेल खाता हो।

अगर आपकी त्वचा तैलीय है तो मैट फाउंडेशन का उपयोग करें, जबकि सूखी त्वचा वालों को क्रीम बेस्ड फाउंडेशन बेहतर लगेगा।

इसके अलावा फाउंडेशन लगाने के बाद उसे अच्छी तरह मिलाएं ताकि चेहरा प्राकृतिक दिखे और चश्मा लगाने पर कोई धब्बा न लगे।

सही फाउंडेशन आपके चेहरे को निखारने में मदद करेगा और चश्मा पहनने पर भी आपका लुक बेहतरीन रहेगा।

आईलाइनर ऐसा लगाएं

आईलाइनर लगाते समय ध्यान रखें कि वह आपकी आंखों के आकार के अनुसार हो।

अगर आपकी आंखें छोटी हैं तो हल्का सा विंग्ड आईलाइनर आपके लुक को खास बना सकता है, वहीं बड़ी आंखों वाली महिलाएं पूरी आंख के किनारे तक आईलाइनर लगा सकती हैं।

इसके अलावा आईलाइनर लगाने के बाद थोड़ी देर इंतजार करें ताकि वह पूरी तरह सूख जाए और चश्मा लगाने पर कोई धब्बा न लगे।

मस्कारा का सही इस्तेमाल करें

मस्कारा लगाते समय ध्यान रखें कि वह पानी में घुलनशील हो ताकि वह आपकी आंखों को आराम दे सके।

इसके अलावा मस्कारा लगाने से पहले आईलैश कर्लर का उपयोग करें ताकि आपकी पलकों को अच्छी तरह से कर्ल किया जा सके और वे ज्यादा खूबसूरत दिखें।

इसके अलावा मस्कारा लगाने के बाद थोड़ी देर इंतजार करें ताकि वह पूरी तरह सूख जाए और चश्मा लगाने पर कोई धब्बा न लगे।

लिपस्टिक चुनते समय ध्यान दें

लिपस्टिक चुनते समय अपने त्वचा के रंग और मौसम का ध्यान रखें। गर्मियों में हल्के रंग जैसे गुलाबी या पीच बेहतर रहते हैं, जबकि सर्दियों में गहरे रंग जैसे लाल या प्लम ज्यादा अच्छे लगते हैं।

इसके अलावा लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों पर बाम लगाएं ताकि होंठ सूखे न हों और उनकी चमक बरकरार रहे।

सही लिपस्टिक आपके होंठों को निखारने में मदद करेगी और आपका लुक बेहतरीन बना सकती है।

इस तरह लगाएं ब्लश

ब्लश लगाते समय ध्यान रखें कि वह आपकी त्वचा के रंग से मेल खाता हो। हल्की सी मात्रा गालों पर लगाएं ताकि चेहरा ताजा दिखे।

इसके अलावा ब्लश लगाने से पहले थोड़ा सा ब्रॉन्जर उपयोग करें ताकि त्वचा प्राकृतिक तरीके से निखरे।

सही मात्रा में ब्लश लगाने से आपका चेहरा और भी चमकीला दिखेगा और चश्मा पहनने पर भी आपका लुक बेहतरीन रहेगा। यह तरीका आपके चेहरे को एक नई चमक देगा।

पलक तिवारी ने पीले रंग की स्ट्रैपलेस ड्रेस में गिराई बिजली, फैंस ने लुटाया प्यार

यंग और स्टाइलिश एक्ट्रेस पलक तिवारी ने एक बार फिर अपने ग्लैमरस लुक से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वह येलो स्ट्रैपलेस ड्रेस में नजर आ रही हैं. कैप्शन में उन्होंने लिखा ड्ड पीला में पं. . पलक का यह फोटोशूट और उनका कॉन्फिडेंस फैंस को बेहद पसंद आ रहा है. इस ड्रेस में पलक का अंदाज़ बेहद एलिगेंट और ट्रेंडी लग रहा है. उन्होंने इस शाइनी येलो ड्रेस के साथ सिल्वर झुमकों और मिनिमल मेकअप को चुना है जो उनके पूरे लुक को परफेक्ट बना रहा है. ओपन हेयर और ब्लैक ब्रेसलेट्स के साथ उनका ये अंदाज़ सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है.

पलक की इन तस्वीरों पर कई सेलेब्स ने भी रिएक्ट किया है. शहनाज़ गिल ने कमेंट करते हुए लिखा - मेरी पसंदीदा लड़की वहीं सारा वैसोहा और कई अन्य फैंस ने भी येलो हार्ट इमोजी के साथ उनकी तारीफ की. फैन्स उन्हें सनशाइन वाइब और सो प्रेटी जैसे कमेंट्स दे रहे हैं.

पलक तिवारी का यह लुक न केवल स्टाइलिश है बल्कि यह साफ दर्शाता है कि वह यंग जनरेशन की एक फैशन ट्रेंडसेटर बन चुकी हैं. उनके हर फोटोशूट में उनका कॉन्फिडेंस और ग्लैमर झलकता है जो यूथ को खासा इंस्पायर करता है.

इन 5 वॉकिंग एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या में शामिल करने से वजन घटाना होगा आसान

वजन घटाने के लिए जिम में पसीना बहाना जरूरी नहीं है। अगर आप रोजाना 30 मिनट के लिए टहलते हैं तो इससे भी वजन घट सकता है।

वॉकिंग से शरीर की अतिरिक्त चर्बी कम हो सकती है और मांसपेशियों को ताकत मिल सकती है। इसके अलावा हड्डियों को मजबूती मिलती है और शरीर में लचीलापन आ सकता है।

आइए आज हम आपको पांच ऐसी वॉकिंग एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं, जो वजन घटाने में मदद कर सकती हैं।

इनक्लाइन वॉकिंग

इनक्लाइन वॉकिंग करने से पैरों की मांसपेशियों पर जोर पड़ता है और इससे शरीर के निचले हिस्से की कसरत हो जाती है।

इसके अलावा इससे शरीर के ऊपरी हिस्से की मांसपेशियों को भी ताकत मिलती है। इसके साथ ही इनक्लाइन वॉकिंग करने से शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है।

हालांकि, अगर आपको इनक्लाइन वॉकिंग करने में कोई दिक्कत है तो आप ट्रेडमिल वॉकिंग कर सकते हैं।

बैकवर्ड वॉकिंग

बैकवर्ड वॉकिंग शरीर के पिछले हिस्से की मांसपेशियों को ताकत मिलती है और इससे शरीर की अतिरिक्त चर्बी कम होने लगती है।

इसके अलावा बैकवर्ड वॉकिंग करने से शरीर के कोर की कसरत हो जाती है, जिससे पेट की चर्बी कम होती है।

इसके साथ ही पीठ की मांसपेशियों को ताकत मिलती है और शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है।

वेटेड वॉकिंग

वेटेड वॉकिंग करने से शरीर की अतिरिक्त चर्बी कम होने लगती है और इससे मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं।

इसके अलावा वेटेड वॉकिंग करने से शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है। वजन के लिए आप पानी की बोतल या फिर डंबल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे वजन उठाने के साथ टहलना भी हो जाएगा।

इसके साथ ही आप अपने हाथों में वजन उठाने के लिए डंबल या कांच की बोतलों की बजाय प्लास्टिक की बोतलें चुनें।

ब्रिस्क वॉकिंग

अगर आप रोजाना 30 मिनट के लिए ब्रिस्क वॉकिंग करते हैं तो इससे भी वजन घट सकता है।

दरअसल, ब्रिस्क वॉकिंग करने से चलने पर शरीर की मांसपेशियों पर जोर पड़ता है और इससे शरीर की अतिरिक्त चर्बी कम होने लगती है।

इसके अलावा इससे शरीर के कोर की कसरत भी हो जाती है, जिससे पेट की चर्बी कम होती है। इसके साथ ही इससे शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है।

वॉकिंग एंड स्क्वाट्स सेट

वॉकिंग एंड स्क्वाट्स सेट एक ऐसी एक्सरसाइज है, जिससे शरीर की अतिरिक्त चर्बी कम होने लगती है और मांसपेशियों को ताकत मिलती है।

इसके अलावा इससे शरीर के कोर की कसरत भी हो जाती है, जिससे पेट की चर्बी कम होती है।

इसके साथ ही इससे शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है। आप चाहें तो रोजाना 10 मिनट के लिए वॉकिंग एंड स्क्वाट्स सेट कर सकते हैं। इससे वजन घटाना आसान हो सकता है।

शब्द सामर्थ्य -072

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहूदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. चरित्र, चुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

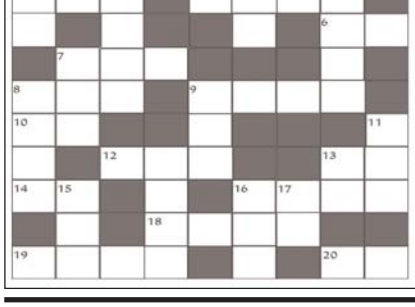

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 071 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व		
प		ति			र	क्ष	क		
र	ह	मा	न					आ	
वा			मि	थु	न		दा	स	
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा	
	न				ब	क	वा	स	
औ	र	त		म		त			
ला		बे	च	ना		व	च	न	
द	ह	ला		ना	ग	र		दी	

अक्षय की फिल्म हाउसफुल 5 में लाल परी बन सौंदर्या शर्मा ने बिखेरा जलवा

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की फिल्म से डेब्यू करना किसी भी एक्ट्रेस के लिए बड़े सपने जैसा होता है और हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'हाउसफुल 5' से ऐसी ही एक अभिनेत्री का सपना पूरा हुआ है। हम बात कर रहे हैं सौंदर्या शर्मा की जिन्होंने मेन लीड के तौर पर फिल्म में अपना डेब्यू किया है। आखिर कौन हैं सौंदर्या शर्मा जो अपने इस डेब्यू से इन दिनों काफी सुर्खियां बटोर रही हैं।

दिल्ली में जन्मीं और पली-बढ़ी सौंदर्या शर्मा ने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने से पहले डॉक्टर बनने का सपना देखा था। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। मेडिकल की पढ़ाई के बाद उन्होंने एक्टिंग की ओर रुख किया और साल 2017 में फिल्म रांची डायरीज से बॉलीवुड में डेब्यू किया। हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर सकी, लेकिन सौंदर्या की अदाकारी को इंडस्ट्री में नोटिस जरूर किया गया।इसके बाद सौंदर्या ने म्यूजिक वीडियो और वेब सीरीज के जरिए धीरे-धीरे अपनी एक अलग पहचान बनाई। उन्हें रियलिटी शो बिग बॉस 16 में भी देखा गया, जहां उनकी बोल्ड पर्सनालिटी और आत्मविश्वास ने दर्शकों का ध्यान खींचा। अभिनय के प्रति उनका जुनून और लगातार मेहनत ने आज उन्हें इस मुकाम तक पहुंचा दिया है।

हाउसफुल 5 जैसी हाई-प्रोफाइल फिल्म में लीड रोल मिलना किसी भी एक्ट्रेस के लिए सपने के सच होने जैसा होता है। इस फिल्म में सौंदर्य के काम को पसंद किया जा रहा है और उन्हें तारीफ मिल रही है। सौंदर्या की मानें तो उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि वो एक दिन इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनेंगी। अपने सोशल मीडिया पोस्ट्स में उन्होंने इस मौके को जिंदगी का सबसे बड़ा मोड़ बताया।बता दें अक्षय कुमार स्टारर ये फिल्म आज यानी 6 जून 2025 को रिलीज हो गई है। फिल्म को अब तक ऑडियंस की तरफ से अच्छा खासा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

आदिवासी गांवों में पहुंचेगी सरकारी योजनाओं की रोशनी

''धरती आबा अभियान'' 15 जून से शुरू

कोरिया बैकुंठपुर। आदिवासी क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं की पहुंच और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ''धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान'' के तहत विशेष शिविरों का आयोजन 15 जून से 30 जून 2025 तक किया जाएगा। यह अभियान जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है।

जिला कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने बताया कि इस अभियान का लक्ष्य आदिवासी बहुल गांवों में हर पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं और सेवाओं को पहुंचाना है। कोरिया जिले के 154 आदिवासी बहुल गांवों का चयन किया गया है, जहां शिविरों के माध्यम से विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ दिया जाएगा। आधार कार्ड, राशन कार्ड, जाति/निवास प्रमाण पत्र, वृद्धावस्था/विधवा/दिव्यांग पेंशन, आयुष्मान भारत कार्ड, उज्ज्वला गैस

कनेक्शन, जनधन खाता, जीवन बीमा, पीएम किसान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, मनरेगा, मुद्रा लोन, पीएम विश्वकर्मा योजना, टीकाकरण और आंगनबाड़ी से जुड़ी सेवाएं। अभियान में स्वास्थ्य, खाद्य, समाज कल्याण, ग्रामीण विकास, पंचायत, कृषि व राजस्व विभागों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। कॉमन सर्विस सेंटर के जरिए डिजिटल सेवाएं जैसे आधार सुधार, ई-केवाईसी, दस्तावेज़ सत्यापन भी की जाएंगी। स्थानीय आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और स्वयंसेवकों की सहायता से घर-घर संपर्क कर संतृप्ति कार्ड वितरित किए जा रहे हैं। अभियान की रियल टाइम निगरानी के लिए विशेष रिपोर्टिंग प्रणाली भी विकसित की गई है। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने जिले के नागरिकों से आग्रह किया है कि वे इन शिविरों में सक्रिय भागीदारी करें और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। यह अभियान आदिवासी समुदायों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक ठोस पहल है।

कलेक्टर ने शालाओं और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में ली प्रेसवार्ता

सुरजपुर। कलेक्टर एस जयवर्धन ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में शालाओं और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में प्रेस वार्ता ली। इस अवसर पर मीडिया के प्रतिनिधि, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती भारती वर्मा, डीएमसी शशिकांत, एस.एन चौबे सहायक परियोजना समन्वयक व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। प्रेस वार्ता में युक्तियुक्तकरण के संबंध में जिले में चल रही गतिविधि के संबंध में कलेक्टर ने प्रकाश डाला एवं वर्तमान वस्तुस्थिति से पत्रकार बंधुओं को अवगत कराया। एस.एन चौबे सहायक परियोजना समन्वयक द्वारा युक्तियुक्तकरण की सम्पूर्ण जानकारी उपस्थित पत्रकार बंधुओं को उपलब्ध कराई। इसके साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि सूरजपुर जिले में ई संवर्ग के 39 एवं टी संवर्ग के 239 कुल 278 स्कूलों का युक्तियुक्तकरण किया गया है। जिले में युक्तियुक्तकरण के तहत कुल 956 अतिशेष शिक्षकों की संख्या है, जिन्हें काउंसलिंग उपरांत रिक्त पद वाले विद्यालयों में पदस्थ किया जा रहा है। जिले के दुरस्थ विकासखण्ड ओड़गी में 69 प्रा.शा. एकल शिक्षकीय एवं प्रेमनगर में 06 प्रा.शा. शिक्षक विहीन स्कूल थे। जहां शिक्षक अध्यापन कार्य हेतु युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के तहत भेजे गये है।

ग्राम पंचायतों में स्वच्छाग्रही दीदियों ने सूखा कचरा संग्रहण व पृथक्करण का कार्य जारी किया

सुरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन में एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में स्वच्छता के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया जा रहा है। स्वच्छाग्रही समूह की दीदियों द्वारा घरों, दुकानों एवं संस्थाओं से सूखा कचरा एकत्र कर उसे सेग्रीगेशन शेड तक पहुंचाया जा रहा है, जहां वैज्ञानिक विधि से उसका पृथक्करण किया जा रहा है। इस क्रम में जनपद पंचायत भैयाथान की मॉडल ग्राम पंचायत तेलगवां एवं जनपद पंचायत रामनुजनगर की ग्राम पंचायत रामतीर्थ में समूह की दीदियों द्वारा नियमित रूप से हितग्राहियों से यूजर चार्ज भी संग्रहित किया जा रहा है। साथ ही ग्राम पंचायत कृष्णापुर एवं हनुमानगढ़ (जनपद रामनुजनगर) में भी स्वच्छग्रही दीदियों द्वारा कचरा संग्रहण एवं पृथक्करण का कार्य सुचारू रूप से जारी है। इसी प्रकार, जनपद पंचायत सूरजपुर के पर्यटन स्थल केनापारा में संलग्न समूह द्वारा न केवल ग्राम क्षेत्र बल्कि पर्यटन स्थल के आसपास भी नियमित रूप से कचरा संग्रहण किया जा रहा है। सभी स्थानों से संग्रहित कचरे को पृथक्करण के पश्चात आगामी प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई में अग्रिम प्रक्रिया हेतु भेजा जाएगा, जहां उसका ट्रेडिंग कर अनुबंधित वेंडर को विक्रय किया जाएगा। इससे समूह की दीदियों को आर्थिक रूप से सशक्त करने में सहायता मिलेगी। गौरतलब है कि जिले के ग्राम पंचायत तेलगवां, जनपद भैयाथान ग्राम पंचायत रामतीर्थ, जनपद रामनुजनगर, ग्राम पंचायत कृष्णपुर एवं हनुमानगढ़, जनपद रामनुजनगर, ग्राम पंचायत तेलाईकछार, जनपद सूरजपुर ग्राम पंचायतों में यह कार्य प्रभावी रूप से संचालित हो रहा है। इन सभी पंचायतों में स्वच्छग्रही दीदियों द्वारा सतत रूप से घरों, दुकानों एवं संस्थानों से सूखा कचरा संग्रहण कर सेग्रीगेशन शेड में लाया जा रहा है तथा पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आय अर्जन का भी सशक्त माध्यम तैयार किया जा रहा है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत दो पालियों में शिविरों का किया गया आयोजन

सुरजपुर। विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में शिविरों का आयोजन दो पालियों में किया गया। इन शिविरों का उद्देश्य किसानों को वैज्ञानिक और आधुनिक कृषि पद्धतियों से अवगत कराना, उनकी समस्याओं का समाधान करना और नवीन तकनीकों के प्रति जागरूक करना रहा। प्रात:कालीन सत्र में जगरन्नाथपुर, बड़सरा और छिन्दिया में शिविर आयोजित किए गए। जगरन्नाथपुर शिविर में जगरन्नाथपुर, दलदली, गणेशपुर, मदननगर, पम्पापुर, धरमपुर, मानपुर, माडीडांड और केरता ग्रामों के कृषक शामिल हुए। बड़सरा शिविर में बड़सरा, बस्कर, करौंदामुडा, तरका, खाड़ापारा ग्रामों के किसान पहुंचे और छिन्दिया शिविर में छिन्दिया, पवनपुर, जगतपुर, मदनपुर, गोकुलपुर, रामेश्वरम ग्रामों के कृषक शामिल हुए। दोपहर के सत्र में कोटेया, केवरा और गणेशपुर में शिविर लगाए गए। कोटेया शिविर में कोटेया, गौरा, पलढ़ा, भरदा, सिंघरा और बगड़ा के किसान उपस्थित रहे। केवरा शिविर में केवरा, दनौली और खुर्द ग्राम शामिल थे। गणेशपुर शिविर में गणेशपुर, पंचवटी, रामतिर्थ, हुनमानगढ़, अर्जुनपुर, परेमश्वरपुर और बरबपुर ग्रामों के किसान पहुंचे। इन शिविरों में विभागीय विशेषज्ञों से मिली महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य विभाग के अधिकारियों के साथ कृषि वैज्ञानिक, कृषि सखी, कृषक मित्र, पशु सखी तथा प्रगतिशील कृषकों ने किसानों को मार्गदर्शन दिया। किसानों को मिलेट्स (मोटे अनाज) की खेती, फसल चक्र परिवर्तन, प्राकृतिक और जैविक खेती, उन्नत बीज और कृषि यंत्रों का उपयोग, जल संरक्षण, मूल्य संवर्धन, पशुपालन और उद्यानिकी से जुड़ी अत्यंत उपयोगी जानकारी दी गई।

स्वच्छता की दिशा में अनुकरणीय पहल

सुरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन में एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में स्वच्छता के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

डीआईजी/एसएसपी ने पुलिस प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

सूरजपुर। डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुलिस लाइन पर्री में सूरजपुर पुलिस प्रीमियर लीग रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन गुरूवार, 05 जून 2025 को किया। उद्घाटन कार्यक्रम में डीआईजी/एसएसपी ने कहा कि इस प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य पुलिस अधिकारी-कर्मचारी को बेहतर टीमवर्क से जोड़ना और शारीरिक व मानसिक फिटनेश को बनाए रखना है।

उन्होंने कहा कि यह आईपीएल की तर्ज पर सूरजपुर पुलिस प्रीमियर लीग (एसपीपीएल) क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित की गई है जिसमें पुलिस अनुभाग अन्तर्गत आने वाले थानों में पदस्थ अधिकारी व जवानों की टीम क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग ले रही है। पुलिस अधिकारी-कर्मचारी लगातार ड्यूटी में डटे रहते है ऐसे में उन्हें रिलेक्स देने का यह एक मजबूत जरिया है। खेलकूद से उनका मानसिक तनाव दूर होगा साथ ही पुलिस जवानों के शारीरिक व मानसिक फिटनेश को बरकरार रखने को लेकर भी इस प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया है। प्रतियोगिता का पहला मैच प्रतापपुर पैंथर्स व होमगार्ड होक्स

के मध्य खेला गया। इसमें प्रतापपुर पैंथर्स ने होमगार्ड होक्स को 18 रनों से पराजित किया। इस रोमाचंक मैच को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे।

इस प्रतियोगिता को लेकर रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी ने व्यापक त्यौहारी कराई और सभी मैच दुधियां रौशनी में खेली जा रही है। क्रिकेट टीम में डीएसपी स्तर से लेकर आरक्षकगण शामील है। यह सूरजपुर पुलिस का सराहनीय कदम है जो इस प्रकार के टूर्नामेंट का आयोजन कर रही है। इस दौरान सीएसपी एस.एस.पैंकरा, एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, एसडीओपी प्रतापपुर सौरभ उईके, पुलिस के अधिकारी व जवान, पुलिस के परिजन सहित काफी संख्या में नागरिकगण मौजूद रहे।

बड़े ने छोटे भाई को उतारा मौत के घाट

अंबिकापुर। अंबिकापुर शहर के कलाकेंद्र ग्राउंड में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ बड़े भाई ने शराब पिलाने से इनकार करने पर अपने छोटे भाई की चाकू से गला रेतकर बेरहमी से हत्या कर दी. यह सनसनीखेज वारदात गुरुवार रात कोतवाली थाना क्षेत्र में हुई, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार रात कलाकेंद्र ग्राउंड में शिव कुमार और उसके छोटे भाई के बीच शराब को लेकर झगड़ा हो गया. शिव कुमार ने अपने छोटे भाई से शराब पिलाने के लिए कहा, लेकिन छोटे भाई ने मना कर दिया. इस बात से शिव कुमार आग बबूला हो गया और गुस्से में उसने चाकू से अपने छोटे भाई का गला रेत दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस और फोरेंसिक विशेषज्ञ टीम तुरंत मौके पर पहुंची. टीम ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य और नमूने जुटाए. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए देर रात ही आरोपी शिव कुमार को गिरफ्तार कर लिया. मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है.

जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारियों को दिया नवीन आपराधिक कानूनों की बारीकियों का प्रशिक्षण

सूरजपुर। नवीन आपराधिक कानूनों की ज्ञान जितनी अधिक होगी उतना ही बेहतर कार्य संपादित किया जा सकेगा। प्रशासन के सभी विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को नवीन आपराधिक कानूनों की बारीकियों से प्रशिक्षित करने सूरजपुर पुलिस के द्वारा 05 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय ऑडिटोरियम भवन में जारी है।

शुक्रवार, 06 जून 2025 को प्रशिक्षण सत्र के दौरान डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने कहा कि पुलिस और प्रशासन को नवीन आपराधिक कानूनों की पूर्ण जानकारी होना बेहद जरूरी है। कानूनों के प्रशिक्षण से हम पीड़ितों की मदद् करने के साथ ही आपराधिक कृत्य वाले व्यक्ति को सजा दिला पायेंगे।

उन्होंने नवीन आपराधिक कानून बीएनएस, बीएनएसएस, बीएसए के प्रमुख बिन्दुओं के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि हर किसी को सदैव सीखते और पढ़ते रहना चाहिए ऐसा करते रहने से नए जानकारियों से अपडेट रहेंगे और कार्य में दिक्कत नहीं आयेगी। कार्यवाहियों के दौरान त्रुटियों से बचने, साक्ष्य संकलन की सावधानियों, फोटोग्राफी-विडियोग्राफी की उपयोगिता, विडियों कांन्फ्रेसिंग से गवाही कराने सहित डिजिटल साक्ष्य के बारे में विस्तार से बताया।

प्रशिक्षण में मास्टर्स ट्रेनर एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, डीएसपी रितेश चौधरी, एसआई विराट विशि, एएसआई सुनील भारती ने नवीन कानूनों, अपराध विवेचना एवं नए बदलाव के बारे में विस्तार से बताया। इस प्रशिक्षण में एसडीएम भैयाथान सागर सिंह, एसडीएम प्रतापपुर ललित भगत, तहसीलदार लटोरी, प्रशासनिक व पुलिस के अधिकारी-कर्मचारीगण मौजूद रहे।

मोर गांव मोर पानी अभियान अंतर्गत जिला पंचायत सीईओ ने श्रमदान एवं विकास कार्यों का किया निरीक्षण

सुरजपुर। जिला पंचायत सूरजपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा जनपद पंचायत प्रेमनगर के विभिन्न ग्रामों में मोर गांव मोर पानी अभियान के अंतर्गत श्रमदान एवं विकास कार्यों का निरीक्षण किया गया। अभियान के तहत ग्राम पंचायत बकिरमा स्थित कोकमा नाला में सफाई एवं जीर्णोद्धार कार्य में मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा स्वयं श्रमदान किया गया। उक्त अवसर पर ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व को समझाते हुए जल स्रोतों के पुनर्जीवन में समुदाय की भागीदारी को आवश्यक बताया गया। मोर गांव मोर पानी अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता लाना एवं पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित कर जल उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इसके पश्चात मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत केदारपुर में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत निर्मित मिट्टी बांध का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए तथा कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया जाए। निरीक्षण के दौरान ग्राम के कृषक ठाकुर/लबदु द्वारा मिट्टी बांध के जल से एफआर.ए. पट्टे की भूमि पर की गई तरबूज की खेती की जानकारी दी गई, जिसे सीईओ द्वारा नवाचारात्मक एवं प्रेरणास्पद बताया गया। उन्होंने कृषक के प्रयासों की सराहना करते हुए अन्य किसानों को भी इस प्रकार की कृषि अपनाने हेतु प्रेरित किया। साथ ही कृषक द्वारा किए जा रहे सुअर पालन को देखकर मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा कृषक को सुअर शेड की स्वीकृति दिए जाने का आश्वासन प्रदान किया गया, जिससे ग्रामीणों को स्वरोजगार के अवसर मिल सकें।

कला केन्द्र समर कैम्प का हुआ भव्य समापन, बच्चों ने दिखाया हुनर

सुरजपुर। कला केंद्र बड़का पारा में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी समर कैम्प का आयोजन किया गया था, जिसकी शुरुआत 01 मई 2025 को हुई थी। इस कैम्प का समापन विगत दिवस कलेक्टर एस. जयवर्धन की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। समापन समारोह के अवसर पर समर कैम्प में प्रतिभाग करने वाले बच्चों ने नृत्य, चित्रकला, ताइक्कांडो, गायन, पियानो आदि विधाओं में अपने प्रदर्शन से सभी उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों की प्रस्तुति ने दर्शकों से खूब सराहना बटोरी और समर कैंप की उपयोगिता को सिद्ध किया।

डीआईजी व एसएसपी ने ली परेड की सलामी, कहा सभी अच्छा काम करेंगे तो जिले की पुलिसिंग होगी और मजबूत

सूरजपुर। डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुलिस लाईन में आयोजित जनरल परेड की सलामी ली। उन्होंने अधिकारी व जवानों के वेश-भूषा का जायजा लिया। राजपत्रित अधिकारियों व जवानों से परेड़ के कमाण्ड दिलवाए। निरीक्षण के दौरान जवानों के वेशभूषा को देखा। अच्छे वेशभूषा और बेहतर परेड़ कमाण्ड करने वाले जवानों को पुरस्कृत किया।

क्वार्टर गार्ड कमांडर को अच्छे कमाण्ड के लिए पुरस्कृत किया। डीआईजी व एसएसपी ने पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों से चर्चा कर उनके समस्याओं को जाना और उन समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु दिशा निर्देश भी दिया। उन्होंने जवानों को कहा कि आप सभी दृढ़ इच्छा शक्ति से उत्कृष्ट कार्य करें, जब आप अच्छा काम करेंगे तो जिले की पुलिसिंग मजबूत होगी, सदैव अच्छे कार्यो के लिए तत्पर रहे इससे हममें ज्ञान के साथ ही आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

प्रभारियों को कहा कि थाना के कार्यो को नियमित चेक करें इससे कार्य और बेहतर होती है। इस दौरान सीएसपी एस. एस.पैंकरा, एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, जिले के थाना-चौकी प्रभारी सहित विभिन्न थाना-चौकी व रक्षित केन्द्र के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

सरकारी जमीन के सीमांकन के दौरान महिला पटवारी से शराबी शिक्षक ने की बदसलूकी

बलरामपुर। बलरामपुर जिले में सरकारी जमीन के सीमांकन कार्य के दौरान एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। वाड्रफनगर के रूपपुर गांव में एक महिला पटवारी के साथ शराब के नशे में धुत एक शिक्षक ने खुलेआम बदसलूकी की, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, यह घटना तब हुई जब महिला पटवारी ममता भगत न्यायालय के आदेश पर रूपपुर गांव में जमीन के सीमांकन के लिए पहुंची थीं। इसी दौरान, कथित तौर पर शिक्षक राजकुमार पोर्ते शराब के नशे में मौके पर पहुंचे और पटवारी ममता भगत के साथ गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार करने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शिक्षक राजकुमार पोर्ते नशे में इतना धुत था कि वह अपने व्यवहार पर नियंत्रण नहीं रख पा रहा था। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने इस पूरी घटना का वीडियो अपने मोबाइल में कैद कर लिया। यह वीडियो अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वायरल हो रहा है, जिसमें शिक्षक को स्पष्ट रूप से आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करते देखा जा सकता है। इस घटना ने सरकारी कर्मचारियों के साथ होने वाली बदसलूकी और शराब के नशे में धुत व्यक्तियों द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर किए जाने वाले दुर्व्यवहार पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले में आगे की कार्रवाई का इंतजार है।

फरसाबहार में सिकल सेल रोगियों के लिए उपचार शिविर का किया गया आयोजन

अम्बिकापुर। जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज एवं यूनिसेफ के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरसाबहार में सिकल संगवारी टीम द्वारा सिकल सेल रोगियों के लिए विशेष परामर्श एवं उपचार शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 33 सिकल सेल रोगियों ने उपचार और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। इस अवसर पर डीसी देवेश सिंह, एडीसी बिक्रम प्रमाणिक, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विपिन भगत, डॉ. साक्षी, लैब तकनीशियन कौशल सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। चिकित्सा केंद्र में इलेक्ट्रोफोरेसिस जांच की सुविधा भी उपलब्ध है, जिसमें रोगियों की पुष्टि जांच की जा रही है और रजिस्टर संधारित किया जा रहा है। शिविर के दौरान सहकर्मी सहायता बैठक का आयोजन भी किया गया, जिसमें सिकल रोगियों को नियमित रक्त जांच, समय पर परामर्श, और सही जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। डॉ. साक्षी एवं कौशल ने मरीजों से बातचीत कर यात्रा की कठिनाइयों, कम प्रेरणा, और आर्थिक-सामाजिक चुनौतियों को समझा और समाधान के सुझाव साझा किए। बैठक में यूनिसेफ-एग्रीकॉन परियोजना के ब्लॉक समन्वयक गुरुदेव प्रसाद (जशपुर) और 'जय हो' स्वयंसेवक दल (फरसाबहार) ने भी सहभागिता की। इन्होंने मरीजों और व्यवस्था संबंधी व्यवहारिक समस्याओं पर चर्चा की।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कृष्ण कुंज में वृक्षारोपण कार्यक्रम

सूरजपुर। विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर सूरजपुर वनमंडल अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप वनपरिक्षेत्र सूरजपुर, परिसर सूरजपुर में स्थित ''कृष्ण कुंज'' में वृक्षारोपण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस वर्ष 2025 की थीम ''प्लास्टिक प्रदूषण हटाओ (बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन) से संबंधित जन-जागरूकता के साथ-साथ विभिन्न प्रजातियों के कुल 200 पौधों का रोपण कृष्ण कंज में जिले के नागरिकगण, जनप्रतिनिधिगण व प्रशासनिक अमले के सहयोग व उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने उद्बोधन मे प्लास्टिक से होने वाले नुकसान तथा इससे पर्यावरण पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव के संबंध में प्रकाश डाला एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग होते हुये उपस्थित जनता से वृहद मात्रा में वृक्षारोपण करने के संबंध में अपील की। कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन ने इस अवसर पर कहा कि वृक्षारोपण केवल एक औपचारिक कार्यक्रम न होकर एक दीर्घकालिक सामाजिक दायित्व है। उन्होंने बताया कि जिले में विभिन्न स्थानों पर व्यापक वृक्षारोपण की योजना बनाई गई है। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया कि वे पर्यावरण के प्रति सजग रहें और अपने आस-पास हरियाली बढ़ाने में प्रशासन का सहयोग करें। उक्त कार्यक्रम में उपस्थित जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती स्वाती सिंह एवं श्री भीमसेन अग्रवाल (पूर्व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम) के द्वारा भी अपने आसपास प्लास्टिक का प्रयोग कम करने व पौधों के रोपण एवं उनकी देखरेख, सुरक्षा के संबंध में उद्बोधन देते हुये अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर प्रकृति की रक्षा करने के संबंध में अपील किया गया। उपरोक्त वृक्षारोपण कार्यक्रम में कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन, श्री मुकेश गर्ग, श्री संत कुमार साहू, श्री सौभाग्य दुबे, श्री शशीकांत गर्ग, श्री मनोज पाण्डेय, श्री दरोगासिंह, श्री संत सिंह, श्री संदीप अग्रवाल व स्थानीय जनप्रतिनिधिगण तथा सूरजपुर वनमंडल सूरजपुर एवं जिला स्तर के अन्य विभागों के अधिकारी / कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में सूरजपुर के नागरिकों की सक्रिय भागीदारी रही।

म्यूल एकाउन्ट गिरोह के 2 आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सूरजपुर। सूरजपुर पुलिस ने साइबर ठगों के नेटवर्क में शामिल 2 आरोपी को पकड़ा है। ये आरोपी साइबर ठगों के लिए म्यूल बैंक अकाउंट, एमटीएम कार्ड व मोबाईल सीम उपलब्ध कराते थे। आरोपियों के ऐसे 02 बैंक अकाउंट की पहचान की गई है, जिसमें 4 लाख 45 हजार 551 रूपये से अधिक का ट्रांजेक्शन हुआ है। आरोपियों के म्यूल बैंक अकाउन्ट नंबरों एवं उनके मोबाईल नंबरों को सीज किया जा चुका है। भारतीय सायबर अपराध समन्वय केन्द्र (आई फोर सी) द्वारा संचालित समन्वय पोर्टल (ज्वाईट साइबर क्राईम कार्डिनेशन टीम मैनेजमेंट इन्फारमेंशन सिस्टम) में स्थित विभिन्न बैंक शाखाओं में संचालित लेयर-1 पर कार्यवाही करने के संबंध में पुलिस मुख्यालय छत्तीसगढ़ से शिकायत प्राप्त हुआ जिसमें म्यूल अकाउंट खाता धारक मुकेश देवांगन निवासी ग्राम केवरा भैयाथान व ग्राम महगंवा सूरजपुर निवासी सूरज प्रसाद सारथी के बैंक ऑफमहाराष्ट्र शाखा सूरजपुर के एकाउंट शामील थे। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने ऑनलाईन सायबर फ्राड के शिकायतों का गंभीरता से लेते हुए शिकायत की जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो से कराया। जांच उपरान्त साइबर फ्राड से संबंधित शिकायत में महाराष्ट्र बैंक सूरजपुर का खाता मुकेश व सूरज के नाम से होने पर उनके विरूद्ध थाना सूरजपुर में अपराध क्रमांक 268/25 धारा 413, 420, 120बी भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। विवेचना के दौरान थाना सूरजपुर पुलिस ने पाया कि म्यूल एकाउंट खाता धारक मुकेश देवांगन व सूरज प्रसाद सारथी के खाते में अलग अलग राज्य से संबंधित सायबर क्राईम में ठगी की गई रकम करीब 4,45,551/- रूपये का लेन-देन किया गया है। विवेचना के दौरान प्रकरण के आरोपी मुकेश देवांगन पिता दरोगू उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम केवरा थाना झिलमिली एवं सूरज प्रसाद सारथी पिता गुरू प्रसाद उम्र 25 वर्ष ग्राम महगंवा, थाना सूरजपुर को पकड़ा गया। पूछताछ पर आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार किया है। मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही जारी है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, सीएसपी एस.एस.पैंकरा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे, एसआई मनोज सिंह, एएसआई सुमन्त पाण्डेय व उनकी टीम सक्रिय रही।

अवैध शराब के साथ युवक पकड़ाया

रायपुर। कोतवाली पुलिस ने गांधी मैदान के पास एक युवक को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 70 पाव अंग्रेजी शराब और बिक्री रकम 1950 रुपए जब्त किया है।

नशे में की सवारी, अगली सुबह मौत

कोरबा। पारिवारिक कलह के चक्कर में एक युवक ने इस कदर नशा कि बाइक की सवारी के दौरान उसे अपने पैर का ख्याल ही नहीं रहा। पैर में आई चोट के बाद पीड़ित को उपचार दिया गया और उसे घर छोड़ दिया गया। अगली सुबह वह उठ ही नहीं सका। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर ने उसके मृत होने की पुष्टि की।

रुद्र नगर क्षेत्र में रहने वाले राजेंद्र कंवर की मौत इस घटना में हुई। उसकी मौत की असली वजह शराब का नशा रहा या कुछ और, यह जांच होना बाकी है। पुलिस ने मर्ग कायम किया है। पंचनामा के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया और परिजनों को सौंप दिया गया। खबर के अनुसार राजेंद्र कंवर का अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर पिछले

दिवस विवाद हो गया। इससे नाराज होकर पत्नी अपने मामा के घर कोरकोमा चली गई। मामले को हल करने के लिए प्रयास किए जाते रहे। इससे पहले कि राजेंद्र पत्नी के पास पहुंचता, उसके कुछ परिचितों ने पत्नी को वापस घर भिजवा दिया। इधर खबर मिली कि राजेंद्र और उसके साथी निर्मल, ललिता ने नजदीक की एक भट्ठी में पहुंचकर शराब का सेवन किया। कुछ देर रूकने के बाद वे गंतव्य के लिए रवाना हुए। रास्ते में उन्होंने देखा कि राजेंद्र कंवर के पैर में चोट लग गई है। नशे की स्थिति में यह सब पैर के नीचे रगड़ाने से हुआ या किसी चीज से चोट लगने के कारण, इसका पता नहीं लग सका। बताया गया कि इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए उसे उपचार दिलाया गया और फिर घर छोड़ दिया गया। अगली सुबह चाहकर भी राजेंद्र नहीं उठ सका। इससे परिजन हड़बड़ा गए। आनन-फानन में उसे हास्पिटल ले जाया गया जहां पर चिकित्सक ने परीक्षण कर उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल के प्रतिवेदन पर पुलिस चौकी ने मर्ग कायम किया है। मामले को संदिग्ध श्रेणी में रखा गया है और सभी तथ्यों पर जांच कराने की बात कही जा रही है।

तालाब में डूबने से बालक की मौत

कोरबा। डिंडासराई गांव में 4 साल के बालक आर्यन सिंह पिता भगत सिंह की आज सुबह जल समाधि हो गई। वह नहाने के लिए तालाब में गया हुआ था और तभी गहराई वाले स्थान पर पहुंचने से उसकी मौत हो गई। लेमरु थाना प्रभारी भीमसेन यादव ने बताया कि परिजनों को उसकी जानकारी हुई तो उन्होंने तुरंत प्रयास किया और बालक को निकाला। स्थानीय अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर ने बालक को मृत घोषित कर दिया। इस मामले में मर्ग कायम किया गया है। पुलिस ने क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि गर्मी के मौसम में अपने बच्चों पर विशेष ध्यान रखा जाए।

फ्लाइट का एसी बंद, गर्मी से राहत पाने फाइल और कापी का सहारा लिया यात्रियों ने

कोरबा। गर्मी के मौसम में विभिन्न परिवहन साधनों का इस्तेमाल करने के दौरान यात्रियों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कोरबा सहित कई क्षेत्रों के हवाई यात्री इंडिगो की फ्लाइट में एयर कंडीशनर के काम नहीं करने से बेहद परेशान रहे। 6 जून की शाम कोरबा निवासी अंकित अग्रवाल और उनके दो साथी इंडिगो की फ्लाइट से हैदराबाद से रायपुर आ रहे थे। 560 किलोमीटर की एयर डिस्टेंस पूरी करने के दौरान बीच में ही इंडिगो फ्लाइट का एयर कंडीशनर काम करना बंद कर दिया।

गर्मी के मौसम में यात्री इस वजह से काफी ऊंचाई पर जमकर परेशान हुए। इस दौरान यात्री अपने पास रखी फाइल और नोटबुक से राहत पाने के लिए कोशिश करते नजर आए। इस समस्या के चलते फ्लाइट में ही यात्रियों ने इंडिगो प्रबंधन की व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई। जानकार सूत्रों का कहना है कि हवाई सेवाओं में एयर कंडीशनर खराब होने के चलते फ्लाइट के टेक ऑफ करने के दौरान सुरक्षा का मसला भी गंभीर हो जाता है। बताया गया की फ्लाइट के रायपुर स्थित स्वामी विवेकानंद अंतरराष्ट्रीय विमानतल पहुंचने पर परेशान यात्रियों ने इस बारे में सिविल एविएशन डिपार्टमेंट

को शिकायत की। उनका कहना है कि इस प्रकार के मामले यात्रियों को न केवल पैनिक करते हैं बल्कि उनके भीतर सुरक्षा की भावना को मजबूत करते हैं इसलिए इसकी जांच करने के साथ भरपाई भी की जानी चाहिए।

जमकर हुई बहस, खरी-खोटी सुनाई

फ्लाइट के रायपुर टेक ऑफ करने के बाद यात्री लाउन्ज पर पहुंचे तो उन्होंने इंडिगो फ्लाइट से संबंधित अधिकारियों से इस बारे में बातचीत की और भड़ास निकाली। उनका कहना था कि क्या समुचित रूप से जांच पड़ताल के बाद फ्लाइट पर डिपार्चर नहीं किया जाता है। अगर इस प्रकार की घटनाओं में किसी यात्री के साथ अनहोनी हो जाती है तो इसकी जिम्मेदारी क्या इंडिगो मैनेजमेंट लेगा।

नलों में टुलू पंप लगाकर खींचा जा रहा पानी, मुड़ापार के लोग परेशान

कोरबा। नगर पालिक निगम के वार्ड क्रमांक 29 मुड़ापार के निवासी इन दिनों जल संकट से परेशान हैं। यहां अनेक उपभोक्ताओं द्वारा नलों में टुलू पंप का अवैध कनेक्शन लगाकर घरों में पानी खींचा जा रहा है जिसके कारण ऐसे लोगों के घरों में पानी नहीं पहुंच पा रहा है जहां टुलू पंप नहीं लगाए गए हैं और टेपनल के जरिए पानी आपूर्ति की अपेक्षा करते हैं।

वार्ड के निवासियों ने बताया कि यह सिलसिला काफी दिनों से चला आ रहा है। वार्ड वासियों के मुताबिक निगम द्वारा पेयजल आपूर्ति के लिए वार्ड में नलों का जाल बिछाया गया है लेकिन नलों से जल की आपूर्ति नहीं के समान हो रही है। नलों में पानी की धार या तो आती ही नहीं या आती भी है तो धार इतनी पतली होती है कि बड़ी मुश्किल से तीन-चार बाल्टी ही भर पाता है। जिसके कारण उनके समक्ष यह दुविधा रहती है कि पानी को पीने के लिए उपयोग में लाया जाए या नहाने-धोने के लिए। जल संकट से परेशान लोगों ने निगम के अधिकारियों से अपील की है कि क्षेत्र में आकस्मिक निरीक्षण कर टुलू पंप लगाकर जलापूर्ति बाधित करने वालों पर कठोर से कठोर कार्रवाई करें।

एल्कोमीटर से चालकों की जांच

कोरबा। जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर ब्रेक लगाने के लिए ट्रैफिक पुलिस के द्वारा नियमित रूप से अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत यह सुरक्षित करने के लिए अलग-अलग चेकप्वाइंट पर एल्कोमीटर से वाहन चालकों की जांच की गई वह सामान्य स्थिति में है या नहीं। इस प्रकार के मामले में रिजल्ट के आधार पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई तय की जा रही है।

ट्रैफिक पुलिस की ओर से बताया गया की मोटर व्हीकल की विविध धाराओं में नियमों का उल्लंघन करने को लेकर वाहन चालकों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की कोशिश इस बात को लेकर रहेगी जो नियम बने हुए हैं उसे पर हर कोई अमल करें और अपने साथ-साथ दूसरों के लिए परेशानी पैदा ना करें। ट्रैफिक प्रभारी रविंद्र मीणा के निर्देश पर कोरबा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में ट्रैफिक की टीम के द्वारा अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके तहत वाहन चालकों की जांच करने के साथ-साथ यह देखा जा रहा है कि वह नियमों के

दायरे में है या नहीं। बताया गया कि इसी श्रृंखला में एल्कोमीटर से वाहन चालकों की जांच की गई और उन्हें आवश्यक निर्देश दिए गए। इस कार्रवाई को एएसआई रामनारायण राते, ईश्वरी लहरे, मनोज राठौर, हेड कांस्टेबल संतोष सिंह, नीतू श्रीवास्तव, सुभाष, आशीष, पवन, लखन, मेहमान कूर्रे, राम पाटिल, जितेश, लीलाधर चंद्र और अरुण दिलेश्वर ने अंजाम दिया। यह कार्रवाई आगे भी होगी। ट्रैफिक एएसआई मनोज राठौर ने बताया कि समस्याग्रस्त क्षेत्रों में लाउड स्पीकर से एलाउंस करते हुए चालकों को सचेत किया जा रहा है।

झोराघाट में एक्शन भीड़ डायवर्ट

कोरबा। जिले में हसदेव नदी के झोरा घाट पर पिछले कुछ दिनों से हो रही मस्ती पर पुलिस ने लगाम कसी है। कटघोरा नगर निरीक्षक धर्म नारायण तिवारी ने बताया कि अब भीड़ का रुख करीघाट और गुड़मुड़ा की ओर हो गया है। ऐसा इसलिए हुआ है ताकि मनमानी जारी रहे। पुलिस ने कहा है कि इन स्थानों का रुख हमारी ओर से किया जाएगा और निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी

गजराजों का दल फिर पहुंचा सेमरहा

कोरबा। वनमंडल कटघोरा के केंदई रेंज के कोरबी सर्किल में सक्रिय 11 हाथियों का दल एक बार फिर पसान रेंज के सेमरहा जंगल पहुंच गया है।

हाथियों के दल ने यहां पहुंचने के बाद तत्काल कोई बड़ा नुकसान नहीं पहुंचाया है लेकिन उत्पात मचाए जाने की संभावना को देखते हुए वन अमला सतर्क हो गया है। वहीं सेमरहा व आसपास के गांवों में मुनादी कराने के साथ निगरानी तेज कर दी गई है। 11 हाथियों के अन्यत्र जाने के बावजूद अभी भी केंदई रेंज में 16 हाथी विचरण कर रहे हैं। जिनमें से 10 हाथी लालपुर तथा 6 कापानवापारा के जंगल में सक्रिय हैं। रेंज में मौजूद हाथियों का दल शांत है वहीं मड़ई क्षेत्र में 4 हाथी घूम रहे हैं जबकि जटगा रेंज में 14 हाथियों का दल काफी दिनों से जंगल में डेरा जमाया हुआ है। हाथियों का यह दल जंगल ही जंगल विचरण करते रहता है। इधर कोरबा वनमंडल के कुदमुरा रेंज के गीतकुंआरी जंगल में हाथियों का दो दल अलग-अलग स्थानों पर विचरण कर रहा है। यहां मौजूद हाथियों ने बीती रात खेतों में पहुंचकर उत्पात मचाया और दो ग्रामीणों के खेत में लगे धान को तहस-नहस कर दिया।

पर्यावरण संतुलन के लिए हरियर धरती ने लगाए पौधे

कोरबा। कोरबा के रेलवे कॉलोनी क्षेत्र के अंतर्गत रेल अधिकारियों और कर्मचारियों की संस्था हरियर धरती में विश्व पर्यावरण दिवस पर बड़ी संख्या में पौधे लगाए। इसमें अधिकांशत उन पौधों को शामिल किया गया जो गर्मी के मौसम में ज्यादा ऑक्सीजन देने के साथ हवा की स्थिति को बनाए रखते हैं।

हरियर धरती पिछले कर्मचारी कल्याण के साथ-साथ कम्युनिटी वेलफेयर और पर्यावरण के मामले में काम कर रही है। संस्था की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस पर भूजल स्तर की बेहतरी व पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए कोशिश की गई। इस दौरान न्यू रेलवे कॉलोनी साबित आसपास से बड़े विभिन्न प्रजाति के पौधे लगाए गए। इस काम को रेल अधिकारी और कर्मचारियों के साथ-साथ उनके परिजनों ने पूरा किया। उनके द्वारा सुनिश्चित किया गया कि जो पौधे लगाए गए हैं उनकी सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा। कार्यक्रम में क्षेत्रीय रेल प्रबंधक, स्टेशन मास्टर, यार्ड मास्टर सहित मेकेनिकल, सिग्नल, इलेक्ट्रिकल व अन्य लिंक के अधिकारी-कर्मचारी और उनके परिजन शामिल हुए।

ग्रामीणों ने किया वन विभाग का काम

कोरबा। कटघोरा वनमंडल के अंतर्गत पसान क्षेत्र के ग्राम कोटमर्रा कंपार्टमेंट नंबर पी- 188 में नीलगिरी का प्लांटेशन किया गया है। इस प्लांटेशन में करीब डेढ़ सौ से 200 हरे-भरे वृक्षों की कटाई करने के साथ ही अवैध परिवहन कर ले जाया जा रहा है। गौरेला पेंड्रा मरवाही के लकड़ी तस्कर इस कार्य को अंजाम दे रहे हैं। ग्रामीणों के द्वारा लकड़ी की तस्करी में लगे वाहन को पकड़ कर वन विभाग को सूचना दी गई जिस पर अधिकारी मौके पर तो पहुंचे लेकिन लेन-देन कर लकड़ी से भरी वाहन को छोड़ दिया गया।

मनाई गई बकरीद : मुस्लिम समाज के द्वारा शहरी और आंचलिक क्षेत्रों में शनिवार को बकरीद मनाई गई। इसे कुर्बानी का त्योहार माना जाता है। इस मौके पर सुबह निर्धारित स्थलों पर नमाज पढ़ने के लिए मुस्लिम धर्मावलंबी उपस्थित हुए। अगली कड़ी में एक-दूसरे को गले लगाकर पर्व की बधाई दी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान का आयोजन

बालको ने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन पहल के माध्यम से सर्कुलर इकोनॉमी को दिया बढ़ावा

कोरबा। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए सशक्त अपशिष्ट प्रबंधन और सर्कुलर इकोनॉमी आधारित पहल को सुदृढ़ किया है।

बालको ने अपने टाउनशिप में प्रभावी अपशिष्ट पृथक्करण प्रणाली लागू की है जिससे प्लास्टिक समेत अन्य कचरे का वैज्ञानिक और प्रभावी निपटान सुनिश्चित किया जा सके। यायपुर स्थित अपशिष्ट प्रबंधन साझेदार वेस्टेक इंडिया के सहयोग से कंपनी ने प्लास्टिक कचरे का पर्यावरण अनुकूल तरीके से निपटान सुनिश्चित किया है। प्रोसेस किए गए कचरे को सीमेंट उद्योगों में वैकल्पिक कच्चे माल के रूप में भेजा जाता है, जो बालको की सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देने की दृष्टि के अनुरूप है। दिसंबर 2023 में साझेदारी की शुरुआत के बाद से अब तक 200 मीट्रिक टन से अधिक

प्लास्टिक कचरे (नया एवं पूर्ववर्ती कचरा दोनों) का सस्टेनेबल सह-प्रसंस्करण के माध्यम से निपटान किया गया है जो टाउनशिप के प्लास्टिक कचरे के 100 प्रतिशत निपटान को दर्शाता है।

बालको ने सॉलिड एंड लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट सेंटर (एसएलआरएम) की स्थापना की है। यहां घरेलू कचरे को 1000 किलोग्राम क्षमता वाले इलेक्ट्रिक वाहनों से एकत्र किया जाता है और एसएलआरएम यूनिट में इसे रंग-बिरंगे डिब्बों की सहायता से जैविक और अजैविक कचरे में पृथक किया जाता है। जैविक कचरे को खाद में बदला जाता है, जबकि प्लास्टिक कचरे को वेस्टेक इंडिया को भेजा जाता है ताकि उसका जिम्मेदार सह-प्रसंस्करण द्वारा निपटान हो सके। यह प्रणाली वैज्ञानिक निपटान, संसाधन पुनर्प्राप्ति और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देती है। इस प्रक्रिया को सफल बनाने हेतु नियमित प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से निवासियों को घर-स्तर पर कचरा पृथक्करण और प्लास्टिक के विकल्पों के उपयोग हेतु प्रेरित किया जाता है।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि बालको में सस्टेनेबिलिटी हमारे कार्य संस्कृति का हिस्सा है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हम जिम्मेदार कचरा प्रबंधन एवं सर्कुलर इकोनॉमी समाधानों को अपनाकर अपने पर्यावरणीय उत्तरदायित्व को मजबूत कर रहे हैं। प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना' थी को ध्यान में रखते हुए हम प्लास्टिक के सस्टेनेबल विकल्प अपना रहे हैं तथा साझेदारियों के माध्यम से पर्यावरण-संवेदनशील और जिम्मेदार निपटान की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देने के लिए, इस साल भी कंपनी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अपने संयंत्र परिसर और टाउनशिप में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। इसमें 300 से अधिक कर्मचारियों और समुदाय के सदस्यों ने हिस्सा लिया। सभी ने मिलकर 600 से अधिक पौधों का रोपण किया तथा जागरूकता रैली और स्वच्छता अभियान में भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। यह पहल एक स्वच्छ और हरित भविष्य के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को दर्शाती है।

साथ ही बालको अपने संयंत्र और समुदाय में पर्यावरण के प्रति जागरूक व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए भी निरंतर प्रयासरत है। इस उद्देश्य से कंपनी ने कई सराहनीय कदम उठाए हैं, जिनमें संयंत्र परिसर और टाउनशिप में सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाने हेतु कपड़े के थैलों का वितरण, पर्यावरण अनुकूल ब्रांडिंग और संचार के लिए फैब्रिक सामग्री का उपयोग, संयंत्र परिसर को प्लास्टिक मुक्त बनाने का प्रयास, सभी सीएसआर उत्पाद के लिए कागज आधारित पैकेजिंग का प्रयोग तथा जागरूकता अभियान शामिल हैं।

ये सभी प्रयास बालको की हरित भविष्य और जिम्मेदार नागरिकता की दिशा में प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं, जिसका उद्देश्य पर्यावरणीय प्रभाव को न्यूनतम करना, संसाधनों का कुशल उपयोग करना और समुदाय के कल्याण को बढ़ावा देना है। वैश्विक पर्यावरण लक्ष्यों के अनुरूप संचालन के माध्यम से बालको भारत को एक सस्टेनेबल और सर्कुलर अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

नायडू बने लोक जनशक्ति पार्टी मजदूर सभा के प्रदेश संयोजक

कोरबा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री खाद्य प्रसंस्करण एवं उद्योग विभाग नई दिल्ली चिराग पासवान के निर्देशानुसार एवं लोजपा के प्रदेश अध्यक्ष शरत पांडेय एवं महासचिव संगठन प्रभारी मुकेश वर्मा की अनुशंसा पर बी.अरूण नायडू को लोजपा मजदूर सभा (जेएमएस) का छत्तीसगढ़ राज्य का प्रदेश संयोजक बनाया गया है। उनकी नियुक्ति जेएमएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश पासवान के द्वारा की गई है। नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उन्होंने आशा जताई है कि श्री नायडू के नेतृत्व व मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में संगठन और भी मजबूत होगा। अपनी नियुक्ति पर अध्यक्ष के प्रति आभार जताते हुए श्री नायडू ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व द्वारा उन पर जो भरोसा जताया गया है उस पर वे खरा उतरने का प्रयास करेंगे। श्री नायडू को प्रदेश संयोजक बनाए जाने पर उनके मित्रों एवं समाज के लोगों में काफी उत्साह है।

निर्जला एकादशी पर की गई जनसेवा

दीपका। निर्जला एकादशी के पर दीपका में समाजसेवी व अधिवक्ता रानी वैष्णव एवं उसके परिजनों ने बजरंग चौक में राहगीरों को ठंडा शरबत और पेयजल वितरित किया। तपती गर्मी में राहगीरों की प्यास बुझाने का प्रयास कर उन्होंने मानव सेवा का संदेश दिया। कोयलांचल के लोगों ने इस कोशिश की सराहना की। दीपका के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी लोग ऐसा काम करने आगे आए।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com